RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः150, रविवार , 08 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 ☎ 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

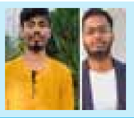

एमजीसीयू के दो छात्र मुंबई आईआईटी के एमटेक कार्यक्रम में हुए चयनित 03

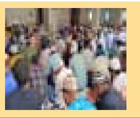

सिकंदरा में शांति पूर्वक मनाया गया बकरीद का पर्व 04

भारतीय पॉप कल्चर को अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने में कामयाब रहीं... 07

समंदर में बढ़ी साख, इंडियन नेवी में शामिल होगा अर्नाला

● खतरनाक है एंटी-सबमरीन वारफेयर, दुश्मन को देगी मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना अपनी ताकत में लगातार इजाफा कर रही है, ताकि वक्त पड़ने पर दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। इसी कड़ी में भारतीय नौसेना 18 जून को विशाखापत्तनम के नौसेना डॉकयार्ड में पहले 'एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट' अर्नाला अपने बेड़े में शामिल करेगी। अर्नाला उन 16 छोटे वॉरशिप्स में से एक है, जिन्हें नेवी में कमीशन किया जाना है। इन वॉरशिप्स को समुद्र तटों पर एंटी-सबमरीन लड़ाइयों और छोटे स्तर के समुद्री अभियानों के लिए तैयार किया गया है। इन सभी को 12,622 करोड़ रुपए की लागत से भारत में ही तैयार किया गया है। आईएनएस अर्नाला की तैनाती से भारत की तटीय सुरक्षा मजबूत होगी और

हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री ताकत और आत्मनिर्भरता को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। नौसेना ने कहा कि 1490 टन से अधिक वजन का 77.6 मीटर लंबा भारतीय नौसेना का यह सबसे बड़ा डीजल इंजन-वॉटरजेट संयोजन से चलने वाला

युद्धपोत है। अर्नाला, सतह पर सर्विलांस, सर्च और रेस्क्यू मिशन में भूमिका निभाने के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा यह समुद्र में कम तीव्रता वाले अभियानों में भी सहायक होगा। अर्नाला का नाम महाराष्ट्र के वसई में स्थित अर्नाला किले के आधार पर रखा गया है। 1737 में यह किला चिमाजी अप्पा के नेतृत्व में मराठाओं ने तैयार किया था। यह किला रणनीतिक रूप से बेहद अहम था। यह वैतरणा नदी के मुहाने की निगरानी के लिए सामरिक रूप से स्थित था, जो उत्तर कोंकण तट पर एक पहरेदार के रूप में काम करता था। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहाकि 80 फीसदी स्वदेशी तकनीक से निर्मित यह पोत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, एलएंडटी, महिंद्रा डिफेंस और मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) समेत प्रमुख भारतीय रक्षा कंपनियों की उन्नत प्रणालियों से युक्त है। उन्होंने कहा कि अर्नाला पोत के नौसेना बेड़े में शामिल होने से यह भारत की नौसैनिक क्षमताओं में परिवर्तनकारी बदलाव लाएगा।

आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं एस जयशंकर की दो-टूक

विदेश मंत्री ने साथ देने के लिए ब्रिटेन को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपना रहा है, उम्मीद है कि हमारे साझेदार इसे समझेंगे। यह बात भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिटेन के विदेश मंत्री के साथ बातचीत के दौरान कही।

जयशंकर ने पहलगाम हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का समर्थन करने के लिए ब्रिटेन को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री ने कहाकि भारत कभी भी इस बात का समर्थन नहीं करेगा कि अपराध करने वालों को पीड़ितों के समान रखा जाए। इसके साथ ही जयशंकर ने हाल में हुए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, दोहरा अंशदान समझौता को मील का पत्थर बताया। गौरतलब है कि ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी व्यापार के साथ-साथ रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के लिए शनिवार को भारत की दो-दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं।

'ब्रिक्स' से पहलगाम हमले की निंदा, पाक को झटका

चीन के अलावा कई मुस्लिम देशों ने भी दिया साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा जारी है। शुक्रवार को ब्रासीलिया में आयोजित ब्रिक्स संसदीय मंच ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करने का संकल्प लिया। यह पाकिस्तान के लिए एक

बड़ा झटका हो सकता है क्योंकि इसमें चीन के अलावा कई मुस्लिम देश भी शामिल हैं। इस मंच में भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका के साथ-साथ ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। बैठक में भारत का नेतृत्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने किया। अपने संबोधन में ओम बिड़ला ने कहा कि आतंकवाद आज वैश्विक संकट बन चुका है, जिसका सामना अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही किया जा सकता है।

देश में अत्यधिक गरीबी से बाहर निकल आए 27 करोड़ भारतीय

11 साल में हुआ यह बड़ा कमाल, वर्ल्ड बैंक ने की जमकर तारीफ

कहा-भारत में एक्स्ट्रीम पॉवर्टी 27.1 से घटकर 5.3 फीसदी रह गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 11 साल में 269 मिलियन यानी करीब 27 करोड़ लोग एक्स्ट्रीम पॉवर्टी यानी अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। यह बात वर्ल्ड बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कही है। वर्ल्ड बैंक के लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक, एक्स्ट्रीम पॉवर्टी रेट 2011-12 में 27.1 फीसदी से घटकर 2022-23 में केवल 5.3 फीसदी रह गई है। वहीं 11 साल में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 344.47 मिलियन (34.44 करोड़) से घटकर 75.24 मिलियन (7.52 करोड़) रह गई है। इस

हिसाब से देखा जाए तो 269 मिलियन यानी करीब 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया। यह प्रोग्रेस पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लिडरशिप में पॉलिसी इनिशिएटिव और इकोनॉमिक रिफॉर्म्स के चलते देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार, पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे।

ड्यूटी टाइम खत्म, पायलट ने फ्लाइट उड़ाने से किया इनकार

● जलगांव एयरपोर्ट पर फंसे शिंदे, फिर डीसीएम बन गए 'कॉमनमैन'

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पायलट द्वारा विमान उड़ाने से मना देने के कारण जलगांव के एयरपोर्ट पर करीब एक घंटे से अधिक वक्त पर फंसे रहे। शिंदे के निजी विमान के पायलट ने ड्यूटी के घंटों का हवाला देते हुए कहा कि मैं उड़ान नहीं भर सकता हूं। मेरी ड्यूटी खत्म हो गई है। इसके बाद शुक्रवार को शिंदे की जलगांव से मुंबई की यात्रा करीब एक घंटे देरी से हुई। यह घटना उस समय हुई जब शिवसेना प्रमुख जलगांव से निकलने की तैयारी कर रहे थे, जहां उन्होंने संत मुक्ताई की पालकी यात्रा में भाग लिया था, हालांकि इसके बाद उनके साथ एक यादगार घटना हुई। इसमें उनका कॉमनमैन अवतार सामने आया। जानकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री को इस देरी से एक घंटे तक जरूर फंसे रहना पड़ा लेकिन जब वह जलगांव से मुंबई के लिए उड़े तो इसी देरी ने उन्हें मदद करने का मौका दे दिया। दरअसल शीतल पाटिल को अपने पति के साथ मुंबई जाना था, लेकिन दंपति की फ्लाइट छूट गई। जिसे मुंबई में किडनी की सर्जरी करवानी थी। डिप्टी सीएम शिंदे ने उनकी मदद की और साथ ले गए। मंत्री गिरीश महाजन ने इस बारे में डिप्टी सीएम शिंदे को अवगत कराया तो उन्होंने अपने निजी विमान में ही दंपति को बैठा लिया। इसके साथ ही मुंबई एयरपोर्ट पर एम्बुलेंस सेवाएं तैयार करवा दीं। बाद में गुलाबराव पाटिल ने कहा कि एकनाथ शिंदे आज भी अपने संघर्ष के दिनों को नहीं भूले हैं। उन्होंने आम आदमी के प्रति संवेदनशीलता दिखाई है।

केदारनाथ जा रहे हेलीकॉप्टर की की गई इमरजेंसी लैंडिंग

पायलट हो गया घायल, बाल-बाल बचे सवार श्रद्धालु

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तराखंड में एक बड़ा हादसा टल गया। यहां सड़क पर एक हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जिस समय में ये लैंडिंग हुई उस समय हेलीकॉप्टर में कुछ लोग भी सवार थे। हालांकि वह सभी सुरक्षित है और पायलट

को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ जा रहा था। इसी दौरान हाईवे पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें श्रद्धालु बाल-बाल बच गए। सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग के बाद हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा कार पर गिर गया जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ये लैंडिंग तकनीकी खराबी के चलते करानी पड़ी। उत्तराखंड के एडीजी कानून व्यवस्था डॉ. वी. मुरुगेशन ने मामले की जानकारी दी।

पानी के लिए गिड़गिड़ा रहा पाकिस्तान, भारत की 'ना'

● सिंधु जल समझौते के लिए लगा रहा गुहार, मिला झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल समझौता के लिए पाकिस्तान गिड़गिड़ा रहा है। उसने इसको लेकर भारत से गुहार लगाई है। लेकिन भारत सिंधु जल समझौता पर नरमी के मूड में नहीं है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की तरफ से इसके लिए पहले भी कोशिशें की जा चुकी हैं। ऑपरेशन सिंदूर से पहले ही पाकिस्तान के जल संसाधान सचिव सैयद अली मुर्तजा ने संधि खत्म किए जाने संबंधी कैबिनेट के फैसले पर जवाब दिया था। उन्होंने उन प्रावधानों पर चर्चा की बात भी कही थी, जिन पर भारत को आपत्ति है। साथ ही मई में बातचीत की तारीख रखने का भी सुझाव दिया था। अब पाकिस्तान ने दोबारा केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय को लिखकर बातचीत शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की तरफ से ऐसे दो पत्र मिल चुके हैं। वहीं, सिंधु को लेकर भारत का रुख अभी भी सख्त है।

भारत के राज्यों में बंटेगा सिंधु नदी का पानी- इन सबके बीच भारत ने सिंधु नदी के पानी को नहर के जरिए विभिन्न राज्यों तक पहुंचाने की योजना बनाई है। पहले चरण में 130 किमी की नहर बनेगी, जिससे राजस्थान के श्रीगंगानगर तक पानी पहुंचेगा। वहीं, दूसरे चरण में 70 किमी की नहर से यमुना नदी तक पानी लाया जाएगा। यह पानी पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के बीच बंटेगा। हालांकि प्रोजेक्ट की समय सीमा तीन साल है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इसे दो साल में ही पूरा किया जा सकता है।

6 महीनों के भीतर वक्फ संपत्तियों की राज्यों को देना होगी जानकारी

केंद्र सरकार का निर्देश, जानकारी अपलोड करें राज्य, एक शर्त भी रखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता और बेहतर मैनेजमेंट के उद्देश्य से सेंट्रल वक्फ पोर्टल उम्मीद लॉन्च कर दिया। इस पोर्टल पर केवल वही वक्फ संपत्तियां अपनी जानकारी अपलोड कर सकेंगी जो संबंधित राज्य वक्फ बोर्डों के पास पहले से पंजीकृत हैं। इसमें 'वक्फ बाई यूजर' संपत्तियां भी शामिल हैं, बशर्ते वे 8 अप्रैल 2025 से प्रभाव में आए वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 से पहले अस्तित्व में रही हों। 'उम्मीद' पोर्टल एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 का संक्षिप्त रूप है। नए पोर्टल के जरिए प्रत्येक वैध वक्फ संपत्ति को 17 अंकों की यूनिक आईडी दी जाएगी। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी कि देश में 9 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं और राज्य सरकारों को तय समयसीमा में इनका विवरण पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करना होगा। सभी राज्य वक्फ बोर्डों को 6 महीनों के भीतर यह कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि केवल वैध और विधिसम्मत रूप से पंजीकृत वक्फ संपत्तियां ही पोर्टल में शामिल होंगी। जो संपत्तियां अवैध रूप से कब्जे में हैं या जिनके पास वैध दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें पोर्टल पर स्थान नहीं मिलेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि जिन संपत्तियों के पास पर्याप्त दस्तावेज नहीं हैं लेकिन सामाजिक या सरकारी रूप से मान्यता प्राप्त हैं, उन्हें तब तक अवैध नहीं माना जाएगा, जब तक वे जबरन कब्जा या धोखाधड़ी के जरिए प्राप्त न की गई हों। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि जो वक्फ संपत्तियां अब तक पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें पहले वक्फ बोर्ड से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होगी। जिन संपत्तियों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड होने के बाद भी वैध नहीं मानी जाती, वे वक्फ ट्रिब्यूनल में अपील कर सकती हैं। संपत्तियों की जानकारी मुत्तवली (प्रबंधक) द्वारा भरने से पहले एक घोषणापत्र देना होगा, जिसमें यह बताना होगा।

अब बिहार में भी होगी मैच फिक्सिंग, बीजेपी करेगी 'खेला'

राहुल गांधी का बड़ा हमला, महाराष्ट्र में 'धांधली' का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे 'लोकतंत्र में चोरी का ब्लूप्रिंट' करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा है। शनिवार को अपने एक लेख और सोशल मीडिया पोस्ट में राहुल गांधी ने दावा किया कि महाराष्ट्र चुनाव में व्यवस्थित तरीके से हेराफेरी की गई, जिसका मॉडल अब बिहार जैसे अन्य राज्यों में लागू किया जा सकता है। राहुल गांधी ने यह आरोप एक विस्तृत लेख के माध्यम से लगाया, जिसे उन्होंने 'मैच फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से प्रकाशित किया और फिर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी शेयर किया। राहुल गांधी ने अपने लेख में पांच चरणों में चुनावी धांधली की कथित प्रक्रिया का खुलासा किया। राहुल ने लिखा, चुनाव कैसे चुराया जाए। 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली करने का खाका था। उन्होंने कहा कि कथित छेड़छाड़ चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में धांधली से शुरू होती है।

राहुल गांधी ने लिखा कि केंद्र सरकार ने 2023 में जो नया कानून लाया, उसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली समिति में निष्पक्षता को समाप्त कर दिया गया। पहले

इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश होते थे, लेकिन अब मुख्य न्यायाधीश की जगह एक केंद्रीय मंत्री को रखा गया है, जो केंद्र सरकार की ओर झुकाव को दर्शाता है। राहुल ने लिखा एक्स अपने आप से पूछिए, कोई क्यों निष्पक्ष निर्णायक को हटाकर अपने करीबी को उस जगह पर लाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे चुनाव आयोग की स्वायत्तता और निष्पक्षता को ठेस पहुंचती है।

महाराष्ट्र चुनावों में 'मैच फिक्सिंग' का लगाया है गंभीर आरोप

राहुल ने अपने लेख में लिखा, महाराष्ट्र का 2024 विधानसभा चुनाव कोई चुनाव नहीं था, बल्कि यह एक सुनियोजित मैच फिक्सिंग थी। यह लोकतंत्र के लिए जहर है और इसका अगला पड़ाव बिहार हो सकता है। राहुल गांधी ने दावा किया कि बीजेपी ने महाराष्ट्र चुनावों में परिणामों को अपने पक्ष में करने के लिए एक सुनियोजित रणनीति अपनाई। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि गड़बड़ी किस प्रकार से हुई, लेकिन चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव को इसकी जड़ बताया। राहुल गांधी ने विशेष रूप से मतदान के आंकड़ों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शाम 5 बजे तक मतदान प्रतिशत 58.22 फीसदी था, लेकिन अगली सुबह अंतिम आंकड़ा 66.05 फीसदी बताया गया। यह 7.83 प्रतिशत अंकों की वृद्धि, यानी 76 लाख अतिरिक्त मतदाताओं के बराबर है, जो कि पहले के विधानसभा चुनावों की तुलना में असामान्य है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2019 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के बीच पांच साल में 32 लाख नए मतदाता जोड़े गए, जबकि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच केवल पांच महीनों में 39 लाख नए मतदाता जोड़े गए।

विशेष सत्र की मांग पर शरद पवार ने दिया कांग्रेस को झटका

● एनसीपी नेता सुप्रिया सुले बोलीं- यह राजनीति का समय नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस लगातार विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है। इसके लिए कांग्रेस के नेताओं ने शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से भी संपर्क किया। लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी को उस समय बड़ा झटका लगा जब शरद पवार की बेटी और एनसीपी सांद सुप्रिया सुले ने यह समय नहीं है कहकर इसे टाल दिया। इसका खुलासा उन्होंने खुद किया है। सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया कि यह समय सरकार से तीखे सवाल पूछने का नहीं, बल्कि दुनिया को भारत की एकजुटता दिखाने का है। सुप्रिया सुले ने बताया कि जब कांग्रेस ने उनसे विशेष सत्र के लिए पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए संपर्क किया, तब वह विदेश में एक डेलीगेशन के साथ यात्रा पर थीं। उन्होंने कहा, मैंने कांग्रेस से कहा कि मैं बाहर हूं और यह सही समय नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार प्रशासनिक सेवा के 16 अधिकारियों का तबादला

पटना, एजेंसी। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार में अधिकारियों के तबादले का दौर लगातार जारी है। राज्य सरकार ने एक बार फिर बिहार प्रशासनिक सेवा के 16 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। सामान्य प्रशास विभाग की तरफ से तबादले की अधिसूचना गुरुवार को जारी कर दी गई है। जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उनमें अपर सचिव, संयुक्त सचिव एवं अपर समाहर्ता, उप सचिव एवं समकक्ष स्तर के अधिकारी शामिल हैं। सभी अधिकारियों के ट्रांसफर को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। राजीव कुमार को पटना जनसंपर्क अपर सचिव की जिम्मेदारी जारी अधिसूचना के अनुसार बेतिया के अपर जिला दंडाधिकारी राजीव कुमार सिंह को पटना जनसंपर्क विभाग का अपर सचिव बनाया गया है। वहीं सुपौल के अपर जिला दंडाधिकारी राशीद कलीम अंसारी को सामान्य प्रशासन का प्रशासिनक पदाधिकारी बनाया गया है। अन्य अधिकारियों के नाम और तबादले की सूची समाचार के साथ संग्लन की गयी तबादले की सूची की कॉपी में है।

जिला जज एवं डीएम ने किया पर्यवेक्षण गृह का निरीक्षण

पूर्वी चंपारण। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिलाधिकारी ने गुरूवार को संयुक्त रूप से मोतिहारी स्थित पर्यवेक्षण गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त, नगर निगम, मोतिहारी, मुख्य न्यायायिक दण्डाधिकारी एवं प्रधान दण्डाधिकारी, किशोर न्याय परिषद उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान गृह में आवासित किशोरों से उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं एवं उनके दिनचर्या तथा पठन पाठन एवं विशेष कर उपलब्ध कराये जा रहे भोजन की गुणवक्ता के बारे में पूछ ताछ की गयी । किशोरों द्वारा उक्त के संबंध में संतोष प्रकट किया गया । निरीक्षण के क्रम में गृह के सुरक्षा व्यवस्था के साथ सतत् निगरानी एवं बालहितैषी माहौल कायम रखते हुए कुशल कार्यदायित्व के निर्वहन का निदेश दिया गया।इस दौरान जिलाधिकारी ने बच्चो से बातचीत कर उन्हें पूर्व की गलतियों को भूला कर नये जीवन की शुरुआत करने और विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षण गृह अधीक्षक को बच्चो को निःशुल्क विधिक सेवा देने हेतु निर्देशित किया गया।

दिव्यांग मतदाता जागरुकता रैली आयोजित, दिव्यांग मतदाताओं की होगी शत प्रतिशत मतदान

सहरसा। अन्तराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोशी क्षेत्रीय विकलांग, विधवा, वृद्ध कल्याण समिति प्रधान कार्यालय के द्वारा दिव्यांग मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार समाहरणालय के प्रांगण में उपविकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए एवं संस्थान के अध्यक्ष सह वार्ड सदस्य मोहन कुमार ने हरी झंडी दिखाकर बैट्री चालित ट्रायसाईकिल, हाथ रिक्सा स्कुटी चालक दिव्यांगजनों के रैली का शुभारंभ किया। रैली में लगभग 200 दिव्यांगजनों ने भाग लिया। संस्थान के अध्यक्ष के द्वारा कहा गया कि हम दिव्यांग मतदाता को जागरूक करने का कार्य करेंगे, ताकि अगामी बिहार विधान आमसभा चुनाव में दिव्यांगजन अधिक से अधिक मतदान का प्रयोग करेगे। साथ ही समान्यजनों को भी मतदान करने हेतु प्रेरित किया जायेगा। ताकि अधिक से अधिक मतदान हो सके। इस अवसर पर सुनील ठाकुर कार्यक्रम जिला प्रभारी के द्वारा रैली में दिव्यांगजनों के साथ नून रोटी खायंगे, फिर भी वोट गिरायगे, पहले मतदान फिर जलपान आदि नारा लगाते हुए रैली समाहरणलय गेट से वीर कुवर सिंह चौक, थाना चौक, डीबी रोड होते हुए प्रधान कार्यालय परिसर में रैली को संस्थान के अध्यक्ष,मोहन कुमार महासचिव मुकेश कुमार यादव, कोषाध्यक्ष दिलिप कुमार साह ने संम्बोधित किया।

तूफान में उड़ा लाखों की लागत से बना डब्लूपीयू, निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवाल

भागलपुर। जिले के सन्हौला प्रखंड के सिलहन खजुरिया पंचायत के वार्ड नंबर 6 में 8 लाख 56 हजार 200 रुपये की लागत से तीन महीने पहले अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का निर्माण किया गया था लेकिन हल्की आंधी-तूफान के एक झोंके में वह उड़ गया, जिसके कारण राहगीर बाल बाल बचे। डब्लू पी यू का निर्माण सड़क किनारे किया गया है। सड़क पर लोगों की आवाजाही हमेशा बनी रहती है। शेड पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। वार्ड सदस्य श्रीधारी पासवान, वार्ड सदस्य निरंजन सिंह और वार्ड सदस्य प्रतिनिधि नंदलाल हरिजन ने कहा कि डब्लू पी यू का निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर पहले से ही संदेह था, क्योंकि जिस समय डब्लू पी यू का निर्माण किया जा रहा था। उस समय सिर्फ घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा था। डब्लू पी यू का निर्माण सही तकनीकी मानकों और मजबूती के साथ नहीं किया गया था, जिसके कारण यह हल्के से तूफान में भी टिक नहीं सका। इस मामले की सही से जांच होनी चाहिए थी। पंचायत के लोगों का कहना है कि सरकारी योजनाओं के तहत लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर काम में लापरवाही बरती जाती है। सन्हौला प्रखंड के प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार ने कहा कि फिर से नये सिरे से शेड का निर्माण किया जायेगा।

बहुत आसान नहीं है एनडीए के घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा

क्या फिर जदयू को नुकसान पहुंचाने की तैयारी में चिराग?

पटना, एजेंसी। के घटक दलों के बीच विधानसभा की सीटों का बंटवारा उतना आसान नहीं है, जितना सतह पर नजर आ रहा है।

लोजपा (रा.) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान मन मुताबिक सीटें न मिलने पर दो-दो हाथ करने का संकेत दे रहे हैं। दूसरी तरफ राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा भी पहले की तरह एनडीए से संबंध को लेकर सहज नहीं लग रहे हैं। चिराग ने तो विधि व्यवस्था की खुली आलोचना कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अप्रसन्नता को आमंत्रित कर लिया है। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा बीच में है और उसे दो के विवाद में लाभ का भरोसा है। सीटों की संख्या को लेकर जदयू भी सतर्क है।

चिराग के व्यवहार में आ रहे बदलाव पर जदयू सतर्क दृष्टि रख रहा है। चिराग कह रहे हैं कि बिहार में मुख्यमंत्री पद की रिक्ति नहीं है। साथ में यह भी जोड़ रहे हैं कि उन्हें बिहार बुला रहा है। चिराग ने कहा था कि अगर पार्टी अनुमति देगी तो वे विधानसभा का चुनाव भी लड़ सकते हैं।

उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए लोजपा (रा.) की ओर से उन्हें विस चुनाव लड़ने का न्यौता भेज दिया गया है। हाल के एक पत्र ने जदयू के बड़े हिस्से की इस आशंका को बल दिया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर चिराग का मन पूरी तरह साफ नहीं हुआ है।

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म कांड को लेकर चिराग ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा है। पत्र का यह हिस्सा नीतीश कुमार के लोगों को पसंद नहीं आ रहा है-राज्य की कानून व्यवस्था, सामाजिक चेतना एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की विफलता को उजागर करती है। एनडीए का कोई घटक दल राज्य की कानून व्यवस्था पर प्रश्न करे, इसे नीतीश कुमार पसंद नहीं करते हैं। राज्य का गृह विभाग नीतीश कुमार के जिम्मे है।

क्या भाजपा से निर्देशित हो रहे चिराग

जदयू के रणनीतिकार आज भी 2020 के चुनाव में चिराग की बागी भूमिका को भाजपा निर्देशित मान रहे हैं। इस समय जब चिराग राज्य सरकार की आलोचना कर चुके हैं, जदयू के मन में फिर यह संदेह जाग गया है कि कहीं 2020 के चुनाव की पुनरावृति न हो जाए।

वैसे भी जदयू की राय में लोजपा (रा.) की जवाबदेही भाजपा की है। सीटों के बंटवारे का फार्मूला 2020 वाला ही है। पहले भाजपा और जदयू के बीच सीटों का बंटवारा होगा।

जदयू अपने हिस्से में से हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा को सीट देगा। भाजपा जाने की वह लोजपा (रा.) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बीच कितनी सीटों का बंटवारा करता है।

जदयू का यही फार्मूला भाजपा के गणित को गड़बड़ कर दे रहा है।वह पिछली बार भी जदयू की तुलना में पांच कम सीटों पर लड़ी थी। वह अगर लोजपा (रा.) को अपने हिस्से में से सीट दे और यह और संख्या कम हो जाएगी। दूसरी तरफ भाजपा के लोग उत्साहित हैं कि इसबार उनकी उपलब्धि अबतक का सर्वश्रेष्ठ हो।

नीतीश से नरमी दिखा रहे उपेंद्र

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म को लेकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी टिप्पणी की। मगर, उसमें कानून-व्यवस्था पर प्रहार नहीं किया गया। उनकी टिप्पणी थी-आपके (नीतीश कुमार) नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों से बिहार का कोई कोना अछूता नहीं है।

सरकार की जनहितकारी नीतियां स्पष्ट होने के बावजूद ऐसी कोताही/लापरवाही जिसमें पीएमसीएच जैसे बिहार के मुख्य अस्पताल में भर्ती होने की लंबित प्रक्रिया के कारण पीड़िता की जान चली गई, बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। आपसे विनम्र आग्रह है कि इस घटना का संज्ञान लेते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। चिराग के विपरीत उपेंद्र के मन में नीतीश कुमार को लेकर नरमी है। 30 मई को बिक्रमगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा हुई थी। मोदी ने अपने संबोधन के दौरान मंच पर बैठे उपेंद्र कुशवाहा का नाम नहीं लिया।

इसको लेकर उनके कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी है। उपेंद्र भी लोकसभा चुनाव में अपनी पराजय की पीड़ा को भूल नहीं पा रहे हैं।

भागलपुर-नवगछिया सड़क होगी चकाचक, रोड का काम पूरा करने का टाइमलाइन भी सेट

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर और नवगछिया के बीच नौ किलोमीटर सड़क की दुरुस्तीकरण कराई जाएगी। एनएच-131बी पर अलकतरे की परत बिछाने का कार्य किया जाएगा।

इससे राहगीरों को जर्जर सड़क से मुक्ति मिलेगी। सड़क में कई जगह जानलेवा में गड्ढे बन गए हैं। पानी अलकतरा का दुश्मन होता है।

ऐसे में मानसून में सड़क कितना टिकाऊ होगा वह तो आने वाला समय ही बताएगा। इधर, टेंडर प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई है। इस माह के अंतिम सप्ताह में काम शुरू होगा। एनएच विभाग के अभियंता के अनुसार बेगूसराय की मेसर्स विकास कुमार फर्म को इस काम की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जिसे दिसंबर तक इसे पूरा करना होगा।

इस सड़क की मरम्मत के लिए कुल तीन एजेंसियों ने रुचि दिखाई थी। जिनमें मुंगेर की मेसर्स निरंजन शर्मा और पटना की कौशल्या स्टेट भी शामिल थीं।

एनएच 131बी पर भागलपुर जीरोमाइल चौक से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मोड़ तक 40 एमएम बिटुमिनस (गिट्टी-अलकतरा मिश्रण) बिछाया जाएगा। जिससे सड़क की मौजूदा खराब स्थिति में सुधार आएगा।

सामूहिक दुष्कर्म का शिकार होने से बची किशोरी, एक आरोपी गिरफ्तार

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिले के बेंता थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने की कोशिश का मामला सामने आया है। चार युवकों ने किशोरी को जबरन बाइक पर बैठाकर सुनसान बागीचे में ले गए, लेकिन समय रहते पुलिस की सक्रियता और ग्रामीणों की सतर्कता के कारण किशोरी बड़ी वारदात का शिकार होने से बच गई। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए धीरू पासवान नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जो किशोरी को बाइक पर लेकर गया था। बाकी तीन की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पीड़ित लड़की की मां ने बताया कि मुहल्ले में नशेबाज लड़के रहते हैं। कुछ लड़के मेरी बेटी को पहले से परेशान किया करते हैं। बेटी का किसी से कोई प्रेम प्रसंग की बात होने से भी इंकार किया गया है। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी जब अस्पताल से लौट रही थी, इस दौरान धीरू पासवान ,बबलू पासवान, गुड्डू पासवान सहित एक अन्य लड़कों ने चाकू का भय दिखाकर बाइक पर बैठाकर फरार हो गए।

तेजस्वी यादव से ज्यादा जदयू दिग्गजों के निशाने पर राहुल गांधी व कांग्रेस, कुछ बयानों पर डालें नजर

पटना, एजेंसी। यादव से अधिक इन दिनों राहुल गांधी व कांग्रेस जदयू के निशाने पर हैं। जदयू के दिग्गजों द्वारा निरंतर राहुल गांधी व कांग्रेस पर कई तरह की टिप्पणी की जा रही। इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को केंद्र में रख राहुल गांधी के बिहार आने का सिलसिला इन दिनों बढ़ा है। इसी के साथ ही राहुल पर जदयू का प्रहार तेज हुआ है।

जिस समय राहुल गांधी अमेरिका की यात्रा पर थे, तब जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने यह कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वरा अमेरिका जाकर भारतीय चुनाव आयोग के खिलाफ बयान देने पर शायद ही किसी को हैरानी हुई।

इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ाई की घोषणा करने वाले राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं, तो किसी न किसी बहाने देश की निंदा करते ही हैं। कांग्रेस पर उनका प्रहार इस अंदाज में रहा-कांग्रेस ने आजादी के छह दशक तक बिहार की लगातार उपेक्षा की। इसे देश का सबसे पिछड़ा प्रदेश बनाने का पाप किया। दंगों और नरसंहार की आग में बिहार को झोंका।

जदयू के वरिष्ठ नेता व ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने राहुल गांधी के पिछड़ा वर्ग से जुड़े एक खास कार्यक्रम के ठीक पहले यह टिप्पणी की कि राहुल गांधी जब विपक्ष में होते हैं तो उन्हें अतिपिछड़ा समाज की चिंता सताती है। इस क्रम में बिजेंद्र यादव ने कांग्रेस को भी लपेट लिया। यह कहा कि दशकों तक कांग्रेस सत्ता में रही। उस समय उन्हें अति पिछड़ा समाज की कोई चिंता नहीं हुई। मंत्री लेशी सिंह व शीला मंडल कहती हैं कि किसी के आने-जाने से जनता की भावना पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने राहुल गांधी के गया दौरे के बाद यह कहा कि राहुल गांधी की राजनीतिक सभाएं आम जनता के लिए मनोरंजन का मंच है। राहुल गांधी को न तथ्यों की समझ है और न ही सच्चाई की परख। आधारहीन बातें करना उनकी पुरानी आदत बन चुकी है।

जदयू के प्रवक्ता हिमराज राम और परिमल कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि राहुल गांधी को चुनाव के समय बिहार द्वाहृ लोगों की याद आती है। चुनाव खत्म होने के बाद उनका बिहार के लोगों से कोई वास्ता नहीं रह जाता। इस क्रम में जाति आधारित गणना की भी बात होती है।

यह कहा गया कि राहुल गांधी को तो पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि 2011 की सामाजिक आर्थिक जातीय गणना के आंकड़े उनकी सरकार ने क्यों दबाए रखे। कांग्रेस ने काका कालेलकर एवं मंडल कमीशन की रिपोर्ट को जान बूझकर दबाने का काम किया।

बिहार में हल्दी और ओल की खेती को बढ़ावा, किसानों को मिलेगा अनुदान

भभुआ, एजेंसी। बिहार के भभुआ जिले के किसान परंपरागत खेती के अलावा अब हल्दी व ओल की भी खेती करेंगे। इनकी खेती करने वाले किसानों को उद्यान विभाग के द्वारा अनुदान भी दिया जाएगा।

उद्यान विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15 एकड़ में हल्दी व पांच एकड़ में ओल की खेती करने को लक्ष्य विभाग मिला है।

सहायक निदेशक उद्यान डॉ. अभय कुमार गौरव ने बताया कि विभाग की राज्य योजना के अंतर्गत कैमूर में 15 एकड़ में हल्दी व पांच एकड़ में ओल की खेती करने को लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि खेती करने वाले किसानों को अनुदान मिलेगा। ओल की खेती करने पर दो लाख 81 हजार 600 की लागत खर्च निर्धारित है।

जिसमें खेती करने वाले किसान को एक लाख 40 हजार का अनुदान दिया जाएगा। जबकि हल्दी की खेती करने पर एक एकड़ में 45 हजार की लागत खर्च निर्धारित है। 22 हजार 500 रुपये का अनुदान देय है।

बता दें कि कैमूर जिले के किसान अब परंपरागत खेती के साथ ही कृषि की संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त कर विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती कर रहे है। राज्य में कैमूर की पहचान धान के कटोरा के रूप में बनी है।

अब जिले के किसान कृषि विभाग की संचालित योजना का लाभ लेकर गेहूं, धान की खेती के साथ ही साथ मोटे अनाज की खेती के अलावा सब्जी की खेती कर रहे किसानों को विभाग के द्वारा निर्धारित इकाई लागत पर अनुदान की राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है।

सड़क के बनने के बाद मुजफ्फरपुर से पटना जाने वाले लोगों का सफर और होगा आसान

मुजफ्फरपुर/पटना, एजेंसी। कई माह से सड़क पर जलजमाव की पीड़ा झेल रहे शहरवासियों को राहत मिलने वाली है।

माड़ीपुर पावर हाउस चौक से सकरी पथ के जीर्णाद्धार के लिए 16.40 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

इससे यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने, जाम की समस्या को दूर करने तथा आम जनता के आवागमन को सुगम बनाने में सहूलियत होगी।

इस सड़क के जीर्णोद्धार से मुजफ्फरपुर से पटना आने वाले लोग इसे वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग कर पाएंगे। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने शुक्रवार को इस आशय की जानकारी दी।

इसमें पटना व मुजफ्फरपुर में बेहतर सड़क संपर्कता के लिए 23 करोड़ रुपये की योजना को प्रशासनिक स्वीकृति देने की बात कही।

पटना की जिस योजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिली है वह कंकड़बाग की है। पटना के लिए 6.68 करोड़ की राशि की स्वीकृति मिली है।

पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि नई राजधानी पथ प्रमंडल, पटना अंतर्गत कंकड़बाग रोड नंबर दो से कंकड़बाग रोड नंबर चार वाया केंद्रीय विद्यालय तक पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण को ले 6.68 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

84 हजार से अधिक जमीनों की रजिस्ट्री पर रोक, सूची में गड़बड़ी से बढ़ी परेशानी

समस्तीपुर, एजेंसी। सरकारी स्तर पर जमीन के किस्म गैर मजरुआ आम और खास होने के साथ ही अलग-अलग विभागों और बोर्ड की जमीन को शामिल करते हुए निबंधन कार्यालय में एक रोक सूची तैयार की गई।

इसमें विभाग और बोर्ड ने अपनी अपनी जमीन की खाता खेसरा की जानकारी भेज उसपर रोक लगा दी लेकिन, इस सूची में बहुत सी गड़बड़ी सामने आ रही।

इस वजह से जमीन बेचने वालों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पर रहे। उन्हें अपनी जमीन को रोक सूची से हटवाने को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही। साथ ही समय भी अधिक लग रहा।

बताया गया कि इस समय जिले के करीब 84 हजार से अधिक भूमि को निबंधन विभाग की रोक सूची में शामिल किया गया है।

एक बार रोक सूची में जमीन दर्ज होने बाद में अंचल स्तर से लेकर जिला स्तर तक के पदाधिकारियों की सहमति के बाद में उसे निबंधन कार्यालय के साथ बैठक करने बाद में हटाया जा रहा। इसमें समय भी अधिक लग रहा।

बताया गया कि एक साथ दर्जनभर से अधिक मामले होने बाद में ही बैठक की जाती है। इसके लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। यही वजह है कि इससे आमजन परेशान हो रहे।

रोक सूची सार्वजनिक नहीं होने से जमीन बेचने वाले को यह पता ही नहीं चलता कि उसकी जमीन कब और कैसे रोक सूची में पहुंच गई जबकि, वे जमीन पर काबिज होने के साथ ही उसकी लगान आदि भी ससमय भरते चले आ रहे।

एक मामले में पीड़ित ने वर्ष 2020 में ही जमीन का निबंधन कराया। किसी कारण बस उसे जमीन बेचने की जरूरत महसूस हुई। उसने खरीदार से बातचीत तय करने बाद में उसे निबंधन को कागजात की तैयारी आदि शुरू की।

इस दौरान उसे पता चला कि उक्त जमीन सरकार की रोक सूची में शामिल है। अब उसके लिए वह विभाग के चक्कर काट रहे।

बताया गया कि एक बार यदि कोई जमीन रोक सूची में चली गई तो उसे निबंधन कार्यालय और राजस्व विभाग की संयुक्त बैठक के जरिए ही हटाया जा सकता है। इसके लिए डीसीएलआर की रिपोर्ट आवश्यक है। रिपोर्ट मिलने पर यदि किसी तरह की कोई त्रुटि या संदेह उत्पन्न हुआ तो उसे रोक सूची से नहीं हटाया जा सकता।

उस मामले में पुनः जांच कराई जा रही। बताया गया कि जमीन के रोक सूची में होने और न होने की जानकारी निबंधन विभाग से ली जा सकती है।

राजस्व विभाग और निबंधन कार्यालय की संयुक्त बैठक में करीब दो दर्जन मामलों में सुनवाई की गई। सभी मामलों को एक-एककर सुना गया। इसमें करीब डेढ़ दर्जन मामलों में सहमति बन सकी जबकि, आधा दर्जन मामलों में पुनः जांच कराने की बात कही गई।

बताया गया कि उक्त बैठक का कोई समय सीमा भी तय नहीं है। बैठक के लिए एक साथ कई मामले जमा होने बाद में ही बैठक की प्रक्रिया पूरी कराई जाती है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में 16 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के मेहसी थाना क्षेत्र के मंगराही चौक स्थित एनएच- 28 पर शुक्रवार की रात करीब 10 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना में 16 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब मुजफ्फरपुर से मोतिहारी की ओर जा रही एक तेज रफ्तार लापरवाह बस चालक ने युवक को कुचल दिया। मृतक की पहचान बखरी नाजिर गांव निवासी योगेंद्र साह के पुत्र संजीत कुमार (16 वर्ष) के रूप में की गई है। घटना के तुरंत बाद बस चालक बस को लेकर फरार हो गया, लेकिन मेहसी थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए भाग रही बस को जप्त कर लिया। जानकारी के अनुसार, चालक चकिया थाना क्षेत्र में बस छोड़कर फरार हो गया है। मेहसी थाना अध्यक्ष सानू गौरव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था, जिसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मृतक के परिजनों की ओर से अब तक कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन प्राप्त होते ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह हादसा क्षेत्र में तेज गति और लापरवाह ड्राइविंग के खिलाफ सख्त कदम उठाने की आवश्यकता को उजागर करता है।

एमजीसीयू के दो छात्र मुंबई आईआईटी के एमटेक कार्यक्रम में हुए चयनित

बीएनएम। मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दो छात्र, आयुष राज तिवारी एवं अवनीश कुमार, गेट 2025 परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,मुंबई के एमटेक (कंप्यूटर विज्ञान) कार्यक्रम में चयनित हुए हैं। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चयनित छात्रों तथा विभाग के शिक्षकों को बधाई दी है, उन्होंने कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है। विभागाध्यक्ष प्रो. विकास पारीक ने कहा, यह सफलता न केवल छात्रों के परिश्रम का फल है, बल्कि हमारे विभाग में दी जा रही गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन का भी प्रमाण है। हम ऐसे और भी छात्रों को इसी प्रकार सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँचाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रहे है। प्रो. पारीक ने बताया कि विभाग के अन्य छात्रों के परिणाम भी शीघ्र ही आने वाले हैं, जिनसे और भी खुशखबरी मिलने की उम्मीद है। उन्होंने डॉ. अतुल त्रिपाठी, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विपिन कुमार और डॉ. शुभम कुमार के समर्पित शिक्षण प्रयासों की भी सराहना की।

अंतरराज्यीय अफीम तस्कर गिरोह के चार गिरफ्तार,अफीम की खेप बरामद

बीएनएम। मोतिहारी । एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले में ड्रग्स और मादक पदार्थ के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान ढाका थाना पुलिस को शुक्रवार की देर रात बड़ी कामयाबी मिली है।पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बाबा मस्तराम कॉलेज के समीप से कार सवार चार अंतराज्यीय अफीम तस्करों को 1073 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार तस्करों में छपरा के नंदलाल कुमार, बड़हरवा लखनसेन के उमेश महतो, बेलाही के विवेक कुमार और बंजरिया थाना के दारोगा टोला निवासी महेंद्र साह शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ गिरफ्तार तस्करो ने बताया कि अफीम की खेप मणिपुर से ट्रेन से लायी गई थी।जिसकी डिलीवरी बंजरिया के दारोगा टोला में महेंद्र साह को देनी थी। तस्करो की निशानदेही पर पुलिस ने महेंद्र साह के घर पर छापेमारी कर इलेक्ट्रॉनिक तराजू और पॉली बैग बरामद किया हैं। जांच में पता चला कि महेंद्र यह अफीम चिरैया के हरिनाथ राय और मुजफ्फरपुर के मोहम्मद साबिर को बेचता था।पुलिस इनके खुलासे के बाद इस अंतरराज्यीय गिरोह के ठिकानो पर छापेमारी में जुटी है।पुलिस के अनुसार इस गिरोह में शामिल अन्य लोगो की गिरफ्तारी के बाद बड़े खुलासे होगे।

डबल इंजन की सरकार ने कोसी सहित पूरे बिहार को पलायन प्रदेश बना दिया : शत्रुधन सहनी

बीएनएम। सहरसाः अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा खेग्रामस व मनरेगा मजदूर सभा का जिला स्तरीय सम्मेलन शनिवार को संपन्न हुआ। सम्मलेन में खेग्रामस राज्य सचिव शत्रुधन सहनी और भाकपा माले कोसी प्रभारी बैद्यनाथ यादव मौजूद रहे। मौके पर शत्रुधन सहनी ने कहा कि मोदी-नीतीश के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन की सरकार के शासन में कोसी सहित पूरे बिहार को मजदूरों के पालयन का प्रदेश बना दिया है। मनरेगा में मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है अफसर और बिचालियों मिलकर मजदूरों के कल्याणकारी योजनाओं को लूट रही है।बैद्यनाथ यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के शासन में गरीब के झोपड़ियों, किसानों के किसानी, मजदूरों के मजदूरी, अल्पसंख्यक व महिलाओ के अधिकारों और छोटे-मंझोलें व्यवासियों के ऊपर सरकारी हमले तेज हो गया है। इस सरकारी बुलडोजर राज के खिलाफ संघर्ष तेज होगा। भाकपा माले जिला सचिव ललन यादव ने कहा कि बिहरा-पटोरी बाजार को भारत माला प्रोजेक्ट के तहत लोगों के घरों, दुकानदारों के दुकान को उजाड़ने की सरकारी साजिश के खिलाफ संघर्ष करेंगे।सम्मेलन में भाकपा माले युवा नेता कुंदन यादव, कारी यादव सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

ईद-उल-अजहा का पर्व पूरे अकीदत और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के मेहसी प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व शुक्रवार को पूरी श्रद्धा, भक्ति और भाईचारे के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इलाके की सभी ईदगाहों और मस्जिदों में विशेष नमाज़ अदा की गई और देश-दुनिया में अमन-चैन, एकता और खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई। मिर्ज़ापुर ईदगाह में हजारों की संख्या में नमाज़ी उमड़े। सबसे बड़ी नमाज़ मिर्ज़ापुर ईदगाह में अदा की गई, जहाँ लगभग 10 हज़ार से अधिक नमाज़ियों ने एक साथ ईद-उल-अजहा की नमाज़ पढ़ी। नमाज़ की इमामत मौलाना अमजद अली मनज़री ने की। नमाज़ के बाद मौलाना ने विशेष खुतबा (उपदेश) देते हुए लोगों से एकता, भाईचारा और इंसानियत के मार्ग पर चलने की अपील की। उन्होंने भारत सहित पूरी दुनिया में अमन, विकास और सलामती की दुआ की। दूसरी जमाअत में हाफिज इरशाद आलम ने पढ़ाई नमाज़ ईदगाह में दूसरी जमाअत भी हुई जिसमें हाफिज इरशाद आलम ने नमाज़ अदा कराई। नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और समाज में सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रखंड के विभिन्न गाँवों में भी अदा की गई ईद की नमाज़- प्रखंड क्षेत्र के अन्य गाँवों-ढरगावां, मैनमेहसी, बथना, हरपुरनाग, सराय बनवारी, क़ाज़ी चक, कोठिया हरिराम समेत अन्य ईदगाहों में भी मुस्लिम भाइयों ने नमाज़ अदा की। नमाज़ के बाद मिल्लत और मुल्क की सलामती के लिए दुआएँ मांगी गईं। ईद की नमाज़ के बाद जिन लोगों पर कुर्बानी फ़र्ज़ थी, उन्होंने अपने-अपने घरों पर बकरों की कुर्बानी दी। इस्लामी परंपरा के अनुसार कुर्बानी का गोश्त तीन भागों में बांटा गया—एक हिस्सा गरीबों, एक रिश्तेदारों और एक स्वयं के लिए। कई स्थानों पर गोश्त विशेष रूप से जरूरतमंद और बेसहारा लोगों के बीच वितरित किया गया, जिससे इस पर्व की मानवीय भावना और सामाजिक समरसता उजागर हुई।

प्रशासन रहा मुस्तैद, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंदः - पूरे पर्व के दौरान मेहसी थाना अध्यक्ष सानू गौरव स्वयं अपने दलबल के साथ क्षेत्र में गश्त करते रहे। प्रशासन ने हर संभावित स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतज़ाम किया था। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है, जिससे यह पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित व सम्मानित व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें मोहम्मद अखलाक, अताउर रहमान, मास्टर शाहिद रज़ा, फैज़ अहमद टीपू सुल्तान, नसीम अहमद, रिज़वान अहमद, लतीफुर रहमान, ताजुल हक ताज, फैजान अहमद, मोहम्मद फारूक, हाजी कारीमुल्लाह, हाजी वकील अहमद, नजीबुर रहमान, कलामुद्दीन खान, मोहम्मद हदीस, हाजी मोईम, हाजी गयासुद्दीन, कलीमुर रहमान, हाफिज कैसर अली, अबुल कलाम आज़ाद, मोहम्मद रियाज़, मौलाना कौसर अली, अब्दुल रशीद, हाजी महबूब अली, फजलुर्रहमान, कलाम राईन, ज़ाहिद रज़ा, खालिद रज़ा, ज़फर इकबाल, वाजिद अली, साजिद अली, अतीकुर्रहमान सहित अनेक समाजसेवी, शिक्षक, व्यवसायी व युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

शांतिपूर्ण माहौल में बकरीद सम्पन्न

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में शनिवार को मुस्लिम समुदाय का महान पर्व बकरीद शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। इस बात की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे क्षेत्र में सभी अतिसंवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग टीमें गठित कर सभी पंचायतों में पुलिस गश्त कराई गई, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की कोई गुंजाइश नहीं रही। इसके अलावा अनुमंडल स्तर से भी अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराया गया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि शाम तक कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है, और क्षेत्रवासियों ने भी प्रशासन का पूरा सहयोग किया।

स्वर्ण व्यवसायी से लूट मामले का पुलिस ने किया खुलासा,तीन गिरफ्तार

» स्वर्ण व्यवसायी का कर्मी ही निकला लूट का साजिशकर्ता

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित बैरिया देवी माई स्थान के समीप मोतिहारी शहर के मिस्कॉट मुहल्ला निवासी स्वर्ण व्यवसायी मुन्ना कुमार से 22 लाख रुपए लूट मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।पुलिस ने लूट की घटना का मास्टरमाइंड व्यवसायी के एक कर्मी सहित तीन बदमाशो को गिरफ्तार किया है,जबकि अन्य तीन की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। पकड़े गए बदमाशों में बंजरिया थाना क्षेत्र निवासी स्वर्ण व्यवसायी का कर्मी चेतन कुमार, अजगरी निवासी संतोष कुमार व सिसवा पश्चिमी निवासी चंदन कुमार शामिल है,जबकि घटना में शामिल फरार अन्य तीन अजगरी शनिचरा स्थान निवासी जीत कुमार, सिसवा निवासी राजा प्रसाद व गुड्डु सहनी के विरूद्ध पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। मुफ्फसिल थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार ने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों के पास घटना में प्रयुक्त एक अपाची बाइक,तीन मोबाइल व एक चाकू बरामद किया है।

रोगी हितधारक मंच के सहयोग से 44 लोगों का बना आयुष्मान कार्ड

एईएस/जेई, मधुमेह, फाइलेरिया, टीबी व स्तन कैंसर के बारे में किया गया जागरूक

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में रोगी हितधारक मंच की मासिक बैठक आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बाटगंज चकिया में सीएचओ की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सीएचओ अमर चौधरी के अलावा आशा, तीन फाइलेरिया मरीज व दो वोलेंटीयर शामिल हुए। बैठक में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों क़ो आयुष्मान केंद्र पर स्वास्थ्य सम्बन्धित लाभ मिले, इसके लिए आशा को निर्देशित किया गया। उन्हें कहा गया कि अपने-अपने पोषण एरिया से स्टेज तीन से ऊपर के मरीज को लेकर आएँ, ताकि उनको एमएमडीपी किट दिया जा सके। इसके साथ ही सेल्फ केयर के बारे मे जानकारी दी जा सके और उनका विकलांग प्रमाण पत्र बनवाया जा सके। इस दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर पीएसपी के सहयोग से 44 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। सीएचओ ने आरआई सेंटर में टीकाकरण के दौरान 22 महिलाओं के बीच एटीएस/जेई, मधुमेह, फाइलेरिया, टीबी एवं स्तन कैंसर के बारे में लोगों क़ो जागरूक किया गया। बताया गया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में छोटी-मोटी बीमारियों में कई प्रकार की दवाएँ, जाँच व इलाज की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। इसके लिए प्राइवेट जगहों पर जाने की जरूरत नहीं है।

बच्चों क़ो कड़ी धूप में न निकलने देंः- सीएचओ ने कहा कि बच्चों क़ो चमकी बुखार से बचाव हेतु कड़ी धूप में न निकलने दें, रात में खाली पेट न सुलाएँ, बच्चों क़ो रात व सुबह में जगाकर देखें कि बच्चे क़ो कोई तकलीफ तो नहीं है। किसी प्रकार की परेशनी हो तो आयुष्मान आरोग्य मंदिर या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से सम्पर्क करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह मंच की बैठक की जाएगी। इस मौके पर कई लोग उपस्थित थे।

खेल भवन में सुबह व शाम दो सत्रों में टेबल टेनिस खिलाड़ियों का अभ्यास शुरू

बीएनएम। मोतिहारी

» एसोसिएशन जल्द कराएगा जिलास्तरीय प्रतियोगिता
» एसोसिएशन ने संपर्क अभियान कर दिया है तेज

जिले में अब टेबल टेनिस खेल में भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आएंगे। शहर अंतर्गत राजा बाजार स्थित खेल भवन में टेबल टेनिस खेल का शुभारंभ हो गया है। जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार ने खेलकर टेबल टेनिस खेल का शुभारंभ किया। खेल पदाधिकारी श्री कुमार ने कहा कि जिले में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। सूबे की सरकार व जिला प्रशासन का लगातार खेल संसाधनों को बढ़ाने पर जोर है ताकि, खिलाड़ियों को बेहतर माहौल के साथ बेहतर संसाधनों की भी उपलब्धता हो। खेल भवन के दूसरे तल पर टेबल टेनिस का टेबल लगाया गया है। टेबल टेनिस खेल का शुभारंभ के बाद खिलाड़ी व खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। उद्घाटन समारोह में मौजूद इस्ट चंपारण टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव शैलेंद्र मिश्र बाबा ने खुशी जाहिर की और जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि खिलाड़ियों का अभ्यास दो सत्रों में चलेगा। पहला सत्र सुबह छः बजे से लेकर दस बजे तक, जबकि शाम में चार बजे से लेकर आठ बजे तक दूसरा सत्र चलेगा। सचिव श्री बाबा ने कहा कि वह दिन अब दूर नहीं, जब पूर्वी चंपारण की ऐतिहासिक धरती से भी प्रतिभाशाली टेबल टेनिस खिलाड़ी सामने आएंगे और जिले, राज्य के साथ देश का नाम रौशन करेंगे। एसोसिएशन जल्द जिलास्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता कराएगा। इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। जल्द ही एसोसिएशन की गठित कमेटी की बैठक होगी और कमिटी का विस्तार करते हुए प्रारूप तैयार कर धरातल पर उतारने की कवायद तेज कर दी जाएगी। एसोसिएशन ने बच्चों को खेल से जोड़ने की दिशा में संपर्क अभियान तेज कर दिया है। सरकारी व निजी स्कूलों में ग्रीष्मावकाश के बाद पत्र के माध्यम से बच्चों को टेबल टेनिस खेल से जोड़ने का आग्रह किया जाएगा। इच्छुक बच्चे सचिव के मोबाइल नंबरः 9431294465 व 9572460090 पर संपर्क कर सकेंगे। उद्घाटन समारोह में संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार के अलावा खेल विभाग के मो. मोबस्सीर, रमेश कुमार आदि उपस्थित थे। इस्ट चंपारण टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जिले में टेबल टेनिस खेल का विकास पहली प्राथमिकता है। खिलाड़ियों की संख्या बढ़ने पर एसोसिएशन की ओर से और भी टेनिस टेबल लगाए जाएंगे। खेल संसाधनों की कमी न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा।

अनियंत्रित बोलेरो ने 4 वर्षीय मासूम को कुचला

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मानिकपुर चौक पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक चार वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई। तेज रफ्तार में आ रही एक अनियंत्रित बोलेरो ने उसे कुचल दिया। मृतक की पहचान भोला कुमार के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय बुलेट साह का पुत्र था। भोला घर के सामने दरवाजे पर खेल रहा था, तभी तेज रफ्तार बोलेरो ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और परिजन उसे इलाज के लिए ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद बोलेरो चालक मौके से फरार हो गया। जैसे ही हादसे की खबर इलाके में फैली, स्थानीय लोग आक्रोशित होकर सड़क पर उतर आए और अरेराज-मोतिहारी मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। सूचना मिलने पर हरसिद्धि थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, एसआई उमेश पासवान और एसआई विभा भारती मौके पर पहुंचे। पैक्स अध्यक्ष किशोरी प्रसाद और सरपंच राजीव रंजन ने भी मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को शांत किया। अधिकारियों ने दोषी चालक की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद लोगों ने जाम समाप्त किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है, और बोलेरो व चालक की तलाश जारी है। स्थानीय लोगों ने मुख्य सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने और तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और शरण नर्सिंग होम के बीच हुआ समझौता

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राओं को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय और शरण नर्सिंग होम के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता रघुनाथपुर स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में संपन्न हुआ। केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में दोनों पक्षों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी सच्चिदानंद सिंह, डॉ. श्याम नन्दन और डॉ. बबलू पाल ने समझौते पर हस्ताक्षर किए जबकि शरण नर्सिंग होम की तरफ से स्वयं डॉ. आशुतोष शरण तथा सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर वर्मा और पंकज श्रीवास्तव ने समझौते पर दस्तखत किए। इस समझौते के तहत केंद्रीय विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकों कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं को विभिन्न चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने का करार किया गया है। विश्वविद्यालय के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर से चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा के इसे भागीरथी प्रयास बताते हुए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विश्विद्यालय के तमाम शिक्षकों और कर्मचारियों सहित छात्रों के स्वास्थ्य की चिंता करना और उनके स्वस्थ्य जीवन के लिए आगे बढ़कर सेवा देने के लिए तत्परता से दृढ़संकल्पित होकर निर्णय लेना मानव कल्याण के लिए डॉ. आशुतोष शरण के समर्पण को दर्शाता है । उन्होंने आगे कहा कि- संभवतः देश में यह पहला ऐसा उदाहरण है, जहाँ एक निजी नर्सिंग होम और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए। आने वाले समय में डॉ. शरण का नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। वहीं डॉ. आशुतोष शरण ने प्रोफेसर्स ,लेक्चरर्स और कार्यरत कर्मियों के साथ-साथ छात्रों के स्वास्थ्य के विषय में चिंता जाहिर करते हुए कहा कि मोतिहारी शहर में केंद्रीय विश्वविद्यालय का होना ही एक गौरव की बात है और देश के कोने-कोने से प्रोफेसर यहां बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए दिन-रात एक किए हुए है तो समाज का भी उत्तरदायित्व बनता है कि इन युग निर्माताओं के स्वास्थ्य की चिंता की जाए और इसी कड़ी में आज इस सेवा की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि कुलपति और उनकी टीम के संकल्प को देखते हुए वे काफी प्रभावित है और कुलपति के इस कार्यकाल में विश्व विद्यालय देश में नाम अर्जित कर रहा है। पहले भी यहाँ छात्रों के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के साथ साथ बिहार के गवर्नर और मुख्यमंत्री का दौरा सफलता पूर्वक सम्पन्न हो चुका है, जिससे छात्रों में एक नयी ऊर्जा का संचार हुआ है और वे अपने भविष्य को सजाने में दिन रात जुटे हैं। डॉ. शरण ने कहा कि इस फैसले ने उन्हें और अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। इस पूरे कार्यक्रम में कुलपति के साथ डॉ. श्यामनंदन, ओएसडी सच्चिदानंद सिंह, सेहत केंद्र के प्रभारी डॉ. बबलू पाल, डॉ. पाथलोथ ओमकार, रविशंकर वर्मा, आदित्य, आनन्द सहित अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दो बाइक की टक्कर में तीन घायल

बीएनएम। जमुई/ झाझा। कावर होते दादपुर जाने वाली मेन रोड पर शनिवार की दोपहर दो बाइक की आपस मे टक्कर हो जाने पर एक बच्चा समेत कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान करहरा गांव के मो. अरमान, उसके चचेरे भाई मो. माजिद और भगना निशाद के रूप में हुई। निशाद का इलाज झाझा के एक निजी अस्पताल में जारी है। हादसा उस समय हुआ जब अरमान अपने बाइक से भगना को लेकर जा रहा था और पीछे माजिद दूसरी बाइक चला रहा था। दोनों बाइकें टकरा गईं जिससे तीनों घायल हो गए। कुछ लोगों ने घटना की जानकारी डायल 112 की पुलिस को दी जिसके बाद घटना स्थल पर पहुंचे परिजन की मदद से दोनो घायल बाइक चालक को रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हालत नाजुक होने पर दोनो घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सभी लोग बानपुर गांव बकरीद पर्व में अपने रिश्तेदार के घर निमंत्रण में शामिल होने जा रहे थे।

मारपीट में चार घायल

बीएनएम। जमुई/ झाझा। थानाक्षेत्र के बलियो गांव में एक महिला और उसके बेटे एवं पोता के साथ बगलगीर के रहने वाले कुछ लोगों के द्वारा लाठी से मारपीट कर घायल कर देने का मामला शनिवार की दोपहर 12 बजे सामने आया। सभी घायलों का इलाज रेफरल अस्पताल झाझा में हुआ। घायल की पहचान विजय मांझी, उसकी मां राधा देवी, भाई मनोज मांझी और भतीजा किशन मांझी के रूप में हुआ। वही राधा देवी को डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। विजय मांझी ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर चाचा दिनेश मांझी उसका बेटा विकास मांझी एवं बगलगीर के रहने वाले अर्जुन मांझी, टुडू मांझी, धर्मवीर मांझी ने मारपीट किया।

दो फरार वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम। जमुई /झाझा। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद न्यायालय में आत्मसमपर्ण नही किए जाने के बाद न्यायालय द्वारा अभियुक्तों पर जारी किए गए दो फरार चल रहे वारंटी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार गिरफ्तार कर अग्रतर कार्रवाई हेतु न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि करहरा मंगलाटांड़ गांव निवासी नागो नैया व बालियाडीह गांव निवासी प्रयाग दास अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे थे। पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही थी। तभी सूचना मिला कि वे दोनो अपने घर पर आए हैं जिसके बाद छापेमारी कर दोनो को गिरफ्तार किया गया।

बहु ने सास के साथ की मारपीट

बीएनएम। जमुई/ झाझा। थानाक्षेत्र के कुसोना गांव में घर मे रुपए के विवाद पर बहु ने अपनी सास पर लाठी से वार कर घायल कर दिया। घायल महिला को छोटा बेटा ने इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया जहां डॉक्टर ने उसका इलाज किया। घायल महिला की पहचान तारा देवी के रूप में हुई है। घायल महिला ने बताई की मेरी बेटी से बहु संगीता देवी 2 लाख रुपए लिया है जिसको लेकर बेटी से बहु विवाद कर रही थी उसी बात को लेकर बहु ने मेरे साथ मारपीट किया।

सडक दुर्घटना में महिला घायल

बीएनएम। जमुई/ झाझा। अपने घर से ससुराल जाने के क्रम में बाइक ओनियंत्रित हो जाने के कारण बाइक पर सवार महिला घायल हो गई । घायल महिला की पहचान की पहचान सोनो प्रखंड के राजोन गांव निवासी रोशनी कुमारी के रूप में हुई है । घायल के पति ने राजकुमार दास ने बताया कि हम अपने घर रजोन से किसी काम को लेकर अपनी पत्नी और बच्चे को लेकर अपना ससुराल झाझा प्रखंड के क्ररां गांव जा रहे थे । कि रास्ते में बाराजोर मोड़ के पास बाइक अनियंत्रित हो जाने से गिर गए । वहीं घायल महिला का इलाज झाझा रेफरल अस्पताल में चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक इलाज किया गया। वहीं बेहतर इलाज के लिए जमुई रेफर कर दिया गया।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

बीएनएम। जमुई / झाझा। झाझा रजला मुख्य रेलखंड के बीच झाझा स्टेशन से महज 1 किलोमीटर दूर सतीघाट के पास ट्रेन से गिरकर 25 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनो थाना क्षेत्र अंतर्गत चुरहेत गांव निवासी लालमोहन यादव के 25 वर्षीय पुत्र रमेश कुमार के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी अनुसार रमेश अपने कुछ साथियों के साथ हटिया जाने के लिए साउथ बिहार ट्रेन में झाझा स्टेशन से यात्रा शुरू किया। जिसमे सभी दोस्त अलग अलग बोगी में सवार हो गया। ट्रेन के सतीघाट के पहुंचने पर अचानक रमेश चलती गाड़ी से गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। शनिवार की सुबह कुछ लोगों की नजर युवक के शव पर पड़ी जिसके बाद रेलपुलिस को सूचना मिली तो रेल पुलिस मौके स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और शव की तलाशी ली जाने पर शव की शिनाख्त हुई। रेल थानाध्यक्ष बृंद कुमार ने बताया परिजनों को सूचना दिया गया तो परिजन रेल थाना पहुंचा जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक ट्रक चालक बताया गया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है|

कुटीर उद्योग से आत्मनिर्भर होगी महिलाएं : आकाश

बीएनएम। बगहाः शिक्षा से सुधार निशुल्क शिक्षा के 5 केंद्रों का उद्घाटन शनिवार को संस्था के अध्यक्ष आकाश कुमार ने की है। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष को ग्रामीणों ने सम्मानित किया। इस क्रम में संस्था के द्वारा बच्चों को कॉपी पेन चॉकलेट स्वीट्स बॉक्स न्यूट्रीमिक फूड और बोर्ड भी वितरण किये गए।संस्था अध्यक्ष श्री कुमार ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से संस्था शिक्षा से सुधार निशुल्क शिक्षा के तहत् हजारों बच्चे निशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहें। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क शिक्षा देने का उद्देश्य दबे पिछड़े युवा युवतियों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना हैं। बिना शिक्षा के सुधार संभव नहीं हैं, इसलिए सबसे पहले शिक्षा से शुरूआत कर कौशल प्रशिक्षण मुहैया करा रोजगार से जोड़ना हैं और युवा युवतियों को आत्मनिर्भर बनाना हैं। उन्होंने बताया कि आज पांच केंद्रों का उदघाटन किया गया है। जिसमें आभा देवी स्मृति पाठशाला निरक्षरता से कर्णिका किरण कुमार जाधव केंद्र, प्रत्यक्षा वैभव केंद्र, श्रीधा केंद्र ,स्मृति आदित्य बाबू केंद्र की,इस अवसर पर संस्था सदस्य धर्मेंद्र कुमार, रामकृष्ण कुमार, राज गुप्ता श्रीमती देवी, विजेता चौधरी, राहुल कुमार, निर्मला देवी, रंजिता देवी, तनिषा कुमारी, समेत सैकड़ों महिला सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित रहें।

भगवान बुद्ध की दुर्लभ प्रतिमाएं एक महीने के प्रयास के बाद संग्रहालय लाई गईं

बीएनएम। लखीसरायः जिले के कवैया थाना क्षेत्र अंतर्गत बिट्टू सिंह के खेत में 30 अप्रैल 2025 को खुदाई के दौरान भगवान बुद्ध की दो दुर्लभ प्रतिमाएं प्राप्त हुई थीं। संग्रहालयाध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार यादव ने बताया कि यह प्रतिमाएं तत्कालीन थानाध्यक्ष अमित कुमार के द्वारा लखीसराय संग्रहालय में न लाकर हसनपुर ठाकुरबाड़ी पहुंचा दी गईं, जिससे यह मामला विवादित बन गया।हसनपुर ठाकुरबाड़ी में कुछ लोगों द्वारा दोनों प्रतिमाओं को सीमेंट से जाम कर बड़े ताखे में फिक्स कर दिया गया था। 7 मई को डॉ. यादव ने प्रशासन एवं पुलिस बल के साथ प्रतिमाएं संग्रहालय लाने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। इसके बावजूद संग्रहालय कर्मियों ने एक महीने तक लगातार प्रयास जारी रखा। अंततः 7 जून को संग्रहालयाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम ने अचानक स्थल पर पहुंचकर प्रतिमाएं सुरक्षित रूप से मुक्त करवा लीं और संग्रहालय ले आई।ये प्रतिमाएं काले पत्थर से निर्मित हैं और 9वीं–10वीं शताब्दी की मानी जा रही हैं। भगवान बुद्ध की धर्मचक्र प्रवर्तन मुद्रा में बनी इन प्रतिमाओं में सिंहासन पर बैठे बुद्ध, दोनों ओर मन्नत स्तूप, दो परिचारी और नीचे दो सिंह उकेरे गए हैं। यह आकृति न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि कला की दृष्टि से भी अत्यंत मोहक और ऐतिहासिक धरोहर है। संग्रहालय में इनकी उपलब्धता एक बड़ी सांस्कृतिक उपलब्धि मानी जा रही है।

सिकंदरा में शांति पूर्वक मनाया गया बकरीद का पर्व

सिकंदरा में- नमाज अदा करते मुस्लिम समुदाय के लोग

बीएनएम। सिकंदरा

शनिवार को सिकंदरा प्रखंड के विभिन्न मस्जिदों में ईद-उल-अजहा के अवसर पर मुसलमान भाइयों ने बकरीद की नमाज अकीदत के साथ अदा की। बकरीद त्योहार को लेकर विभिन्न जगहों पर पुलिस पदाधिकारी एवं जवान तैनात दिखे। इस अवसर पर बीडीओ अमित कुमार, सिकंदरा थानाध्यक्ष लाल बहादुर सिंह, लछुआड़ थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार पाठक, अवर निरीक्षक विवेक कुमार यादव, दिलीप कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी शांति व्यवस्था को लेकर विभिन्न मस्जिदों के समीप जाकर निगरानी करते दिखे। इस दौरान पदाधिकारी ने भी मस्जिदों में नमाज संपन्न होने के बाद अकीदत मंदो से मिलकर बकरीद ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी। मुसलमान भाइयों का कहना है कि बकरीद में हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की याद में कुर्बानी देने की परंपरा है। इस दौरान मुसलमान भाई विभिन्न मस्जिदों में जाकर सामूहिक रूप से नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इसके बाद बकरे की कुर्बानी दी गई। वही इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने रिश्तेदार के यहां जाकर बकरीद की मुबारकबाद देते हुए अलग-अलग मस्जिदों में अलग-अलग वक्त पर बकरीद की नमाज अदा की। नमाजे ईद उल अजहा सिकंदरा अनवरी मस्जिद मुगल टोली 6:30 बजे, बिलाल मस्जिद मोगल टोली 6:15,जामा मस्जिद में 6:30, छोटी मस्जिद पठान टोली 7:00 नमाज अदा की गई।

ईदगाहों में पढ़ी गई ईद उल अजहा की नमाज, मांगी गई दुआएं

बीएनएम। योगापट्टी

योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के बलुआ भवानीपुर पंचायत के बलुआ परेगवा के ईदगाह में शनिवार के सुबह करीब 7:00 बजे ईद उल अजहा यानी बकरीद की नमाज अदा की गई। नमाज पढ़ने के लिए नए-नए परिधान में सुसज्जित नमाजियों का सुबह से ईदगाह में पहुंचना शुरू कर दिया था उसके बाद मौलाना के द्वारा 7:00 बजे नमाज की शुरुआत की गई सभी नमाजियों ने अमन चैन और मुल्क के हिफाजत के लिए दुआएं मांगे, आपको बता दे की ईद उल अजहा के नमाज के बाद कुर्बानी की प्रक्रिया शुरू होती है और नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिल बकरीद की मुबारक दिया मौलाना ने बताई की शांतिपूर्वक ईद उल अजहा की नमाज संपन्न हो गया है इसके साथ ही योगा पट्टी नवलपुर, बासोपट्टी , सेमरी शनिचरी समेत प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों में नमाज अदा की गई। नमाज के समय योगापट्टी, शनिचरी, नवलपुर थाना के पुलिस अलग अलग जगहों पर तैनात रही।

ईद-उल-अजहा की रौनक, अमन और भाईचारे का पैगाम

कुर्बानी और इबादत के साथ लोगों ने एक-दूसरे को दी ईद की मुबारकबाद

बीएनएम। जमुई

मुसलमानों का पवित्र पर्व ईद-उल-अजहा (बकरीद) शनिवार को जिलेभर के सभी प्रखंडों में पूरे धूमधाम, उत्साह और सौहार्द्रपूर्ण माहौल में मनाया गया। सुबह से ही ईदगाह और मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए लोगों का तांता लगा रहा। नमाज के बाद एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी गई। ईदगाह में नमाज अदा की गई और खुतबा (धर्मोपदेश) के ज़रिए कुर्बानी का महत्व और इस्लाम में भाईचारे की अहमियत बताई गई। मुस्लिम भाइयों ने कहा कि ईद-उल-अजहा हमें त्याग, सेवा और इंसानियत का पैगाम देती है।नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। कई मोहल्लों और गांवों में कुर्बानी की रस्म अदा की गई। वहीं जमुई सदर, झाझा नगर क्षेत्र में खलासी मुहल्ला के ईदगाह सहित पुरानी बाजार, मुख्य बाजार, बरहट प्रखंड के गुगुलडीह, पांड़ों सहित प्रखंड क्षेत्र के मस्जिदों में मुस्लिम भाइयों ने सुबह नमाज अदा की। इस मौके पर खासकर बच्चों और युवाओं में काफी उत्साह देखा गया। जगह-जगह मिठाइयों का वितरण हुआ और मेहमानों का तहेदिल से इस्तकबाल किया गया।इस पर्व को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अधिकारियों ने ईदगाह और प्रमुख मस्जिदों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सभी धर्मों के लोगों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। हिन्दू भाईयों ने भी मुस्लिम दोस्तों के घर जाकर ईद की बधाई दी और मीठे पकवानों का लुत्फ उठाया। ईद-उल-अजहा का यह पर्व हमेशा की तरह इस बार भी सौहार्द और आपसी भाईचारे का प्रतीक बनकर सबके दिलों को जोड़ने वाला साबित हुआ।

विधायक ने स्कूल का किया उद्घाटन

बीएनएम। जमुई/ झाझा

शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के करहरा पंचायत मुख्यालय और जामुखरैया पंचायत के फ़तेहपुर गांव में प्लस टू उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक दामोदर रावत द्वारा फीता काटकर किया गया। पंचायतों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा की जा रही सराहनीय पहल है। दोनो जगहों पर लोगों को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि पंचायत में हाई स्कूल का भवन निर्माण हो जाने से लक्ष्य पूरा नही होता है न ही ग्रामीणों की मांग पूरी है। लक्ष्य और मांग तभी पूरी होगी जब अभिभावक अपने बच्चों को प्रत्येक दिन विद्यालय भेजे, बच्चो के पठन पाठन पर निगरानी रखे। जिससे आपके बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लेकर अपने सपनो को साकार करे जिससे गांव सहित प्रखंड व जिला तथा राज्य का नाम रौशन करे। प्रदेश के सभी पंचायतों में प्लस टू विद्यालय खोले जाने का वादा राज्य के सीएम नीतीश कुमार ने किया था। राज्य सरकार हर गांव हर कस्बे में हर तबकों के बीच शिक्षा की रोशनी जले इसके लिए कई योजना को एनडीए सरकार द्वारा लागू किया है और उसी संकल्प को मैने जमीन पर उतारा हूं। विधायक ने आगे कहा कि जनता के दिए गए स्नेह से झाझा विधानसभा क्षेत्र में 41 पंचायत में से 39 पंचायत में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की निर्माण की स्वीकृति दिलाई और जो शेष दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बचा हुआ है उसका भी जल्द निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में जदयू के प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार दास, जदयू के वरिष्ठ नेता डॉ. राजेंद्र रावत, अमित यादव, चन्द्रशेखर पंडित, प्रभारी प्रधानधायपक प्रकाश यादव , दिनेश मंडल, विवेकानंद सिंह, बलवंत सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

हाई स्कूल भवन का उद्घाटन करते विधायक

महिलाओं की भागीदारी से कार्यक्रम बना प्रेरणास्रोत

महिला संवाद कार्यक्रम में शामिल महिला एवं युवति

बीएनएम। लखीसराय

ग्रामीण विकास विभाग के तहत संचालित महिला संवाद कार्यक्रम लखीसराय जिले में अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। 18 अप्रैल से शुरू हुए इस कार्यक्रम का आयोजन जिले के सात में से छह प्रखंडों – हलसी, चानन, रामगढ़ चौक, पिपरिया, लखीसराय सदर और बड़हिया – में सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। फिलहाल सूर्यगढ़ा प्रखंड में प्रतिदिन आठ गांवों में यह कार्यक्रम चल रहा है।महिला संवाद कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त मंच बनकर उभरा है। इस कार्यक्रम में महिलाएं बड़े उत्साह से शामिल हो रही हैं। तेज धूप और बारिश के बावजूद उनकी भागीदारी यह दर्शाती है कि वे अपने अधिकारों और समस्याओं को लेकर सजग हैं।महिलाएं खुलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, वृद्धावस्था पेंशन, जल-जमाव, रोजगार, सिंचाई, सोलर लाइट और कुटीर उद्योगों जैसे मुद्दों पर अपनी बात रख रही हैं। इसके साथ ही वे अपने जीवन के संघर्षों और सफलताओं को साझा कर दूसरी महिलाओं को प्रेरणा भी दे रही हैं। कार्यक्रम में सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाह, दहेज प्रथा और नशाखोरी के खिलाफ भी जागरूकता फैलाई जा रही है। सूर्यगढ़ा प्रखंड के बुधौली बंकर, तोरालपुर, महेशपुर, चंदनपुरा, अलीपुर, छोरा राजपुर और मदनपुर जैसे गांवों में अहिल्या, चांदनी, गांधी, कौशल, अमन, सुराग और सुरवी ग्राम संगठन के माध्यम से महिला संवाद आयोजित किया गया।इस मौके पर जीविका की स्वयं सहायता समूहों से गैर-सदस्य महिलाओं को जोड़ने की भी पहल हो रही है। महिलाएं बड़ी संख्या में समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। साथ ही, सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लीफलेट और ऑडियो-वीडियो के जरिए दी जा रही है।

हार्डकोर नक्सली एरिया कमांडर रावण कोड़ा ने एसपी के समक्ष किया आत्मसमर्पण

3 लाख का रूपये का था इनामी

» 26 मामले में हार्डकोर नक्सली चल रहा था फरार
» 15 साल से हार्डकोर नक्सली चल रहा था फरार

बीएनएम। लखीसराय

लखीसराय पहाड़ी एवं नक्सल क्षेत्र इलाकों में जिले के पीरी बाजार बन्नू बगीचा चानन एवं एसटीएफ पुलिस जवानो के द्वारा संयुक्त सर्च अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एसटीएफ की लगातार दबाब के कारण मुंगेर लखीसराय एवं जमुई जिले के नामजद 26 से ज्यादा नक्सली कांडों में फरार चक रहे हार्डकोर नक्सली एरिया कमांडर रावण कोड़ा ने एसपी कार्यालय पहुंचकर पुलिस के समक्ष आत्म समर्पण किया है।इस संबंध में एसपी अजय कुमार ने बताया की हार्डकोर नक्सली रावण कोड़ा पर सरकार ने 3 लाख का इनाम रखा था। रावण कोड़ा 15 साल से फरार चाहिए उन्होंने बताया की हार्डकोर नक्सली रावण कोड़ा पर बिहार के अलावे झारखण्ड, छतीसगढ़ मे काफी सक्रिय रहे हैं। उन्होंने बताया की बर्ष 2013 में कुंदर हॉल्ट के निकट धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस में हुई घटना को रवाना कोड़ा के द्वारा किया था। इस घटना में नक्सली ने यात्री जवान एवं पदाधिकारी की हत्या कर उनके हथियार को लूट लिया था, इसके अलावे वर्ष 2022 में महुलिया गांव में धर्मदेव यादव की अपहरण कर उनके घर पर गोलीबारी की गई थी, पीरी बाजार में डॉलर के पुत्र का अपहरण कर पुलिस से मुठभेड़ किया था, वर्ष 2018 में मुंगेर जिले के खड़गपुर झील निर्माण में लगे साथ वहां को जलाकर आठ मजदूरों को अपहरण कर लिया था वर्ष 2021 में मुंगेर में अजीमगंज मुखिया परमानंद टुडू की गला काटकर हत्या तथा कई पुलिस मुठभेड़ सहित दो दर्जन से ज्यादा संगीत नक्सली कांडों में रावण कोडा संलिप्त है, इसमें ने बताया कि उग्रवादियों के समर्पण सह पुनवर्स न नीति के तहत देय अन्य सुविधाओं के अतिरिक्त इन्हें ढाई लाख रुपये उनके खाते में उनके ऊपर घोषित तीन लाख रुपए एवं रोजगार हेतु प्रशिक्षण भत्ता अधिकतम 36 माह तक प्रत्येक माह 10 हजार रूपये प्रतिमाह दिया जाएगा।

हार्डकोर नक्सली एरिया कमांडर रावण कोड़ा आत्मसमर्पण करते हुए

लखीसराय में "सहकारिता में संभावनाएं" विषय पर संगोष्ठी आयोजित

बीएनएम। लखीसराय

दी मुंगेर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में "सहकारिता में संभावनाएं" विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुंगेर के प्रभात सभागार में संपन्न हुआ, जिसमें लखीसराय जिले के भी कई प्रतिनिधियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रेरणादायक नेतृत्व को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं की भूमिका को मजबूत कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रोजगार, कृषि विकास एवं वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना था।इस अवसर पर लखीसराय, मुंगेर एवं आसपास के जिलों के सहकारी बैंक, दुग्ध उत्पादक संघ, महिला स्वयं सहायता समूह, व्यापार मंडल एवं लघु उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक भागीदारी की भी भावना को सुदृढ़ करता है।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। लखीसराय जिले के प्रतिनिधियों ने सहकारिता के जरिए जिले में स्वरोजगार की संभावनाओं को लेकर अपनी बातें रखीं।

संगोष्ठी कार्यक्रम में जागरूक करते पदाधिकारी

एथलीट निकेश यादव बिहार का उभरता सितारा और बिहार का उसेन बोल्ट : रिंकू सिंह

विधायक रिंकू सिंह ने निकेश यादव को किया सम्मानित, सहयोग का दिया भरोसा

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकिनगर विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह ने एथलीट निकेश यादव को सम्मानित किया। तथा इनके उज्वल भविष्य की शुभकामना देते हुए एथलीट निकेश यादव को आगे बढ़ाने के लिए हर समय सहयोग एवं मदद करने का आश्वासन दिया। विधायक ने बताया कि मेरे वाल्मीकिनगर विधानसभा क्षेत्र के सौराहा-सेमरा से एक नया नाम आज हर किसी की जुबान पर है "निकेश यादव"। अपनी अद्भुत दौड़ने की क्षमता और अटूट हौसले के दम पर निकेश न केवल अपने गाँव का नाम रोशन कर रहे है, बल्कि पूरे बिहार को गर्व करने का एक और मौका देने की राह पर है। एथलीट निकेश यादव की रफ्तार इतनी तेज है कि लोग उन्हें "बिहार का उसेन बोल्ट" कहकर पुकार रहे हैं, और यह तुलना उनकी असाधारण प्रतिभा का जीता-जागता सबूत है।निकेश की कहानी हर उस इंसान के लिए प्रेरणा है जो सपने देखता है और उन्हें हकीकत में बदलने की हिम्मत रखता है। सीमित संसाधनों और सुविधाओं के बावजूद,निकेश ने कभी हार नहीं मानी। उनकी दौड़ने की गति इतनी शानदार है कि वे तेज रफ्तार वाहनों को भी पीछे छोड़ देते हैं। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो वायरल हो रहे हैं, और लोग उनकी तुलना विश्व प्रसिद्ध धावक उसेन बोल्ट से कर रहे हैं। यह न सिर्फ उनकी मेहनत का फल है, बल्कि उनकी उस जिद का नतीजा है जो कहती है- "सपने वो नहीं जो सोते वक्त देखे जाते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने न दें। निकेश यादव का सपना छोटा नहीं है। वे चाहते हैं कि एक दिन ओलंपिक के मैदान पर तिरंगा लहराए और गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम दुनिया में गूंजे। लेकिन इस सपने को सच करने के लिए उन्हें हम सबके समर्थन की जरूरत है। उचित प्रशिक्षण, सुविधाएँ और प्रोत्साहन ही उन्हें उस मुकाम तक पहुँचा सकता है, जहाँ वे देश की शान बन सकें। आइए, मिलकर करें निकेश का हौसला अफजाई। निकेश जैसे युवा हमारी धरोहर हैं, हमारे गर्व का कारण हैं। हमें उनकी प्रतिभा को पहचानना होगा और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हर संभव मदद करनी होगी। यहाँ एक छोटा सा संदेश है जो हम सबके दिलों से निकलना चाहिए: "निकेश यादव, तुम बिहार की धरती के सच्चे हीरे हो। तुम्हारी रफ्तार और जज्बा हमें गर्व से भर देता है। चलते रहो, दौड़ते रहो, और एक दिन ओलंपिक में तिरंगे को शिखर पर पहुँचाओ। हम सब तुम्हारे साथ हैं। तुम्हारी हर कदम पर हमारी शुभकामनाएँ और समर्थन तुम्हारे लिए है। बिहार का ये 'उसेन बोल्ट' एक दिन दुनिया पर राज करेगा!"आप भी बनें इस कहानी का हिस्सा। मौके पर लड्डु शर्मा,आनंद सिंह,राजन मिश्र,गोलू चौरसिया,नितेश यादव, धनंजय यादव,प्रियेश श्रीवास्तव एवं स्थानीय लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आपदा और फालतू खबरों का गर्म बाजार

आज जिस तरह की घटना घट रही है और अजब गजब का खबर सुनने को मिलता है जो किसी के दुनिया से माया में फंस कर विचार में समय की बर्बादी जैसे सवाल और आपदा होती है तो दुःख होता है इससे भगवान श्री राम से शिक्षा लेने की जरुरत है चले प्रभु राम को क्या होगा क्या करना है ऐ उन्हें मालूम था क्योंकि वो साक्षात ईश्वर हैं बस ऐ वो दिखाना चाहते थे कि अहंकार मत करो और पराई स्त्री पर कभी ऐ मत सोच लेना की ताकत के दम पर कहीं भी हर कर ले जा सकते हैं और नारी अबला नहीं है वो देवी है माता सीता को रावण कुछ कर नहीं पाया क्योंकि वो शरीर से अलग जरूर माता सीता भगवान राम से दूर धोखे से अपहरण का शिकार हुई लेकिन उनके आत्मा में प्रभु राम थे जो उसे रक्षा प्रदान कर रहे थे भगवान श्री राम ने काँटों से फूल बनाना सिखाया है और धर्म के रास्ते, जात पात से परे प्रेम से मिलकर रहना शिखाया है और सत्य के लिए लड़ना भी सिखाया है तुलसीदासजी कहते हैं भजमन राम चरण सुखदाई, यानी राम के चरणों में ही सच्चा सुख है और सुःख सच्चे मायने में वहीं है जिसमे अपार प्रेम की भावना हो ऐ चरण के स्पर्श से अहिल्या पत्थर से पुनः जी उठी और राम केवट संबाद में केवट भगवान श्री राम को अपनी नाव में बैठने हेतु इसलिए इंकार करता है कि कहीं मेरी नाव भी अहिल्या की तरह जी ना उठे और फिर मेरी जीविका कैसे चलेगी अतः उनके पाँव को धो डालता है और वो भी अश्रु से ऐ है भगवान श्री राम के प्रति सच्ची आस्था जो इतिहास बन गई और जब उन्हें सरयू नदी के पार पहुंचा देता है तो सीता माता अपने सोने की अंगूठी दे देती है और राम उसे भावसागर पार करा देते हैं आज लोग क्रिकेट आईपीएल जो मनोरंजन के लिए बना है पता नहीं क्यों इतना दिवाना हो गए हैं कि अपने जान को मामूली सी जीत के पीछे इतना दीवाना हो गए है कि भगदड़ से अपने जान गवां देते हैं और यही चर्चा स्कूल कॉलेज अधिकतर ऑफिस में इस तरह चर्चा करते हैं जैसे पहाड़ उठा लिया है मृतको के प्रति मेरी गहरी सम्वेदना है।

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरें

ललित गर्ग

सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरुर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई। विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।' थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरुर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं। 4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें

नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी। आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो "दुष्प्रचार" ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरुर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो "कीचड़ स्नान" कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं। बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! ओवैसी की राष्ट्रवादी सोच तो समय-समय पर सामने आती रही है। इस तरह मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता तो देश के करोड़ों मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और भाईचारे की भावना बढ़ती है। ओवैसी ने तो सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने अपनी तल्ख और चतुराई भरे अंदाज से भारतीयों एवं दुनिया का दिल जीत लिया है। सांसद कनिमोझी ने स्पेन में अपने हिस्से का पक्ष रखते हुए भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता का जिक्र कर ऐसी बात कही है जिसके बाद वो जमकर वाहवाही लूट रही हैं। कनिमोझी ने इसके साथ ही कहा कि "हमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आए हैं।' उनकी ये बातें इसलिए भी खास हैं क्योंकि जहां एक ओर उनकी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति को चुनौती देते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की बात कर रही है। वहां कनिमोझी एकता और विविधता को राष्ट्रीय भाषा बताते हुए अपना पक्ष रख रही हैं। डीएमके सांसद का ये अंदाज सुर्खियों का विषय बना है और लोग जमकर इसकी तारीफ कर रहे हैं। इसी तरह शिवसेना यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि श्रीकृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं।

सूडोकु नवताल- 7454

✱✫✫✫✫ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7453 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

साहित्यिक बाजार और संवेदना का सौदा

डॉ. सत्यवान सौरभ

साहित्य आज साधना नहीं, सौदेबाजी का बाजार बनता जा रहा है। नकली संस्थाएं 1000 से 2500 रुपये लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय' पुरस्कार बांट रही हैं। यह केवल साहित्य नहीं, भाषा की भी हत्या है। सहयोग राशि के नाम पर सम्मान बिक रहा है और सच्चे साहित्यकारों की साधना उपेक्षित हो रही है। ऐसे आयोजनों का बहिष्कार और पर्दाफाश करने का समय आ गया है।साहित्य को बाजारू अपवित्रता से बचाने का यह सही वक्त है। यदि कोई पुरस्कार सहयोग राशि से खरीदा जा सकता है, तो वह पुरस्कार नहीं, एक बाजारू तमाशा है। साहित्य आत्मा की भाषा है, ना कि ट्रॉफियों की भीड़। नकली आयोजनों से हिन्दी ही नहीं, साहित्य की आत्मा घायल हो रही है। साहित्य, आत्मा की पुकार है। वह सर्जक की साधना का फल होता है। वह तप, त्याग और संवेदना की अभिव्यक्ति है। आजकल सोशल मीडिया, व्हाट्स ऐप और ई-मेल पर साहित्यिक आयोजनों के नाम पर संदेश आते हैं कि सहयोग राशि से पुरस्कार पाएं। कुछ तथाकथित संस्थाएं और व्यक्ति राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, गौरव, रत्न जैसे भारी-भरकम शब्दों से सजे पुरस्कारों का जाल बिछाकर साहित्यप्रेमियों को लुभाते हैं। सच्चाई यह है कि पुरस्कार नहीं, सम्मान की नीलामी हो रही है। इन आयोजनों के अधिकांश आयोजक एक जैसी वेबसाइटें, नकली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के नाम और सोशल मीडिया प्रचार का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित करते हैं। वे एक निश्चित शुल्क लेकर एक ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और कभी-कभी एक ऑनलाइन समारोह की व्यवस्था करते हैं, जो केवल आत्मप्रशंसा का साधन होता है, न कि वास्तविक मान्यता। इन आयोजनों के पीछे अकसर एक चतुर चाल होती है। इसे सहयोग राशि या प्रेस रिलीज खर्च कहकर नैतिक जामा पहनाया जाता है। पुरस्कार एक साधक को उसके योगदान पर दिया जाना चाहिए, ना कि उसकी जेब देखकर। जब कोई लेखक अपनी मेहनत से एक रचना गढ़ता है, तो वह अपने समय, जीवन और संवेदना का अंश उड़ेलता है। और फिर कुछ लोग आते हैं-पैसा दो, पुरस्कार लो। क्या यह साहित्य की आत्मा का अपमान नहीं? यहां साहित्य एक उत्पाद बन गया है और लेखक उपभोक्ता। पुरस्कार की शर्तें रचनात्मक मापदंड पर तय नहीं होतीं, बल्कि यूपीआई भुगतान और स्क्रीनशॉट की पुष्टि पर होती हैं। ऐसे आयोजनों के जरिए न सिर्फ साहित्य को ठगा जा रहा है, बल्कि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के नाम पर योजनाबद्ध गिरावट फैलाई जा रही है। जो सम्मान कभी राष्ट्रगौरव का प्रतीक होता था, वह अब टिकट खरीदकर पाई जाने वाली वस्तु बन गया है। यह भाषायी संस्कृति पर हमला है, जिसका संगठित बहिष्कार आवश्यक है। अनेक फर्जी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विदेशी नामों की आड़ में भारत के भीतर ही संचालित हो रहे हैं। इन आयोजनों का एक ही उद्देश्य होता है-नाम की आड़ में पैसा कमाना और साहित्यिक गंभीरता का शोषण करना। सच्चा साहित्यकार पुरस्कार के लिए नहीं, समाज के लिए लिखता है। वह पुरस्कार के पीछे नहीं भागता, पुरस्कार उसकी साधना के पीछे भागते हैं। आज जरूरत है ऐसे छलछंद को उजागर करने की है, जो साहित्य को सिर्फ एक सेल्फी इवेंट बना रहे हैं। पुरस्कारों की गारंटी देने वाले लोग दरअसल साहित्य की आत्मा के हत्यारे हैं। ऐसे पुरस्कारों से ना केवल साहित्यिक गरिमा घटती है, बल्कि युवा लेखकों को एक गलत प्रेरणा मिलती है। इसलिए पुरस्कार पाने से पहले नामांकन शुल्क या सहयोग राशि मांगी जाए तो सतर्क हो जाइए। आयोजनों के पीछे कोई प्रतिष्ठित संस्थान ना हो, केवल फेसबुक पेज या गूगल फॉर्म हो-वे संदिग्ध होते हैं। किसी भी इंटरनेशनल पुरस्कार का आयोजन यदि केवल भारत के छोटे शहरों में हो रहा हो, तो जांच जरूरी है। वेबसाइट पर संस्थापक या निर्णायक मंडल की पारदर्शिता ना हो, तो यह लाल झंडी है। भाषा की गरिमा बचानी है तो ऐसे नकली संस्थानों से मुक्ति पानी होगी। साहित्य कोई काजल की कोठरी नहीं कि कोई भी चला आए, काजल लगा ले और चला जाए। यह साधना है, सेवा है, संघर्ष है। साहित्य की दुनिया में यह जो बनावटी रोशनी जगाई जा रही है, वह दरअसल एक अंधेरा है। सच्चे लेखक और पाठक ही मिलकर इस अंधकार को मिटा सकते हैं। अगर साहित्य की आत्मा को जीवित रखना है, तो जरूरी है कि हम ऐसे नकली पुरस्कारों के खिलाफ आवाज उठाएं। यह न केवल लेखन की प्रतिष्ठा की रक्षा करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी सिखाएगा कि पुरस्कार नहीं, सृजन और संवेदना ही साहित्य की असली पूंजी है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आपके लिए सफलता का नया मार्ग दिखाने वाला साबित होगा। आज आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। इस राशि के जिन लोगों का आज बर्थडे है वो दोस्तों को अपने हाथ की बनायी डिश खिलाएंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपकी परेशानी जिससे आप काफ़ी दिनों से परेशान थे उसका निवारण हो जायेगा। आज ऑफिस में कलीग को आपसे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। इस राशि के जिन लोगों को किसी बिजनेस की शुरुआत करनी है उनके लिए आज का दिन बढ़िया है। आप शुरू कर सकते हैं। आज मीडिया, आर्ट, पब्लिकेशन से जुड़े लोगों के लिए अच्छा दिन है, आपको नयी उपलब्धियां मिल सकती हैं।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी नए काम को शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का विचार बनायेंगे, मन में भक्ति-भाव बना रहेगा। इस राशि के अविवाहितों को आज विवाह के प्रस्ताव मिलेंगे। आज नजदीकी रिश्तों से गिले-शिकवे दूर करने का प्रयास सफल रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज किसी काम में बड़े भाई की सलाह से आपको पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा, रिश्ते में भी मधुरता बढ़ेगी। आज आप काम करने से पहले पॉजिटिव और नेगेटिव हिस्सों पर सोच-विचार करेंगे, सफलता मिलनी तय है। दांपत्य जीवन में आज खुशहाली रहेगी, घर में मेहमानों के आने और मेल-मिलाप से खुशी बढ़ेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। अपने व्यापार को बढ़ाने की योजना पर काम करने का अच्छा समय है। आज घर की सजावट में किये गए बदलाव से आपको खुशी मिलेगी। लवमेट आज कही घूमने की प्लानिंग बना सकते हैं। आज कार्यस्थल पर व्यस्तता से भरे माहौल से निकलकर शाम को परिवार के साथ टाइम स्पेंड करेंगे। अपने करियर को बेहतर दिशा देने के लिए माता-पिता से विचार-विमर्श करेंगे।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहेगा। प्रॉपर्टी से सम्बंधित अगर समस्या चल रही है तो आज उसे सुलझाने का अच्छा समय है। आज आपकी मेहनत के अच्छे नतीजे मिलेंगे। स्टूडेंट्स के करियर में आ रही समस्याओं का समाधान मिल सकता है। कार्यस्थल पर अपनी काबिलियत दिखाने का आज अच्छा मौका है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपके सामने कुछ नयी चुनौतियां आएंगी जिसे आप अपनी बुद्धिमत्ता से सुलझा लेंगे। कामकाज में आज आपको गोपनीयता बनाकर रखने की जरूरत है। रुका हुआ पैसा मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज पारिवारिक रिश्तों में ताल-मेल बना रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन बढ़िया रहेगा। आपका सरकारी मामला जो काफी दिनों से रुका हुआ है उसमें आपको जीत मिल सकती है। आज परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, आप बच्चों के भविष्य के बारे में बातचीत करेंगे। आज दोपहर बाद आपकी यात्रा के योग है इससे आपके बिजनेस में ज्यादा धनलाभ होगा।

धनु राशिः आज का दिन उत्तम रहेगा। आज जरूरी कामों से थोड़ा समय निकालकर अपने पसंदीदा कामों में बिताएंगे, आपकी प्रतिभा में निखार आएगा। आज भौतिक सुख-सुविधाओं से रिलेटेड चीजों की खरीददारी करेंगे, आपको खुशी मिलेगी। इस राशि के जो लोग किसी जॉब की तलाश में हैं आज उनकी तलाश पूरी हो सकती है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज काम के मामले में आप दूसरों की बातों को इग्नोर कर अपनी काबिलियत पर भरोसा करेंगे, आपको जल्द ही इसका अच्छा रिजल्ट मिलेगा। आज कामकाज और परिवार की जिम्मेदारियों में ताल-मेल बना रहेगा। आज प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री में अच्छी डील होने से मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आप का बिजनेस में काम व्यवस्थित रहेगा, आपके आसपास के कारोबारियों से चल रहे कॉम्पटीशन में आपकी जीत तय है। इस राशि के जो लोग प्राइवेट जॉब कर रहे हैं वो आज काम में लापरवाही न करें, जल्द ही आपके इन्क्रीमेंट के योग बन रहे हैं।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज काम आपके मन मुताबिक पूरा होगा। घर में धार्मिक कार्यक्रम की योजना बनेगी, इससे बच्चों में भी उत्साह देखने को मिलेगा। आज विपरीत परिस्थितियों से निकलने के लिए किसी मित्र की सहायता आपके लिए वरदान साबित होगी। भावनाओं में आकर फैसला लेने से बचें।

राष्ट्रीय एकता का सूत्र अद्वैत

हृदयनारायण दीक्षित

जीवन संघर्ष नहीं है। संघर्षपूर्ण जीवन तनाव देता है। पूरे जीवन को संघर्ष मानने का मूल द्वैतवाद है। द्वैतवाद का अर्थ है कि यहां इस जगत् में दो प्रमुख पक्ष हैं। एक मैं हूं और दूसरा यह संसार। मैं हूं और दूसरे आप। मैं और तुम दो हैं। आध्यात्मिक तल पर ईश्वर एक है, दूसरा मैं हूं। भक्त और भगवान दो हैं। प्रकृति में प्रकाश और अंधकार का द्वैत है। शीत और ताप का द्वैत है। सब तरफ दो का दर्शन। सृष्टि में अनेक जीव हैं। वनस्पतियां हैं। सबके रूप भिन्न-भिन्न हैं। जैव विविधता खूबसूरत है। सामाजिक क्षेत्र में पंथिक विभाजन हैं। आर्थिक आधार पर गरीब और धनी में द्वैत है। जाति विभाजन में द्वैत है ही। लेकिन भारत में इस द्वैत के भीतर अद्वैत के दर्शन का विकास हुआ। अद्वैत का अर्थ है दो नहीं। दसों दिशाओं में व्याप्त एक ही परम तत्व भिन्न-भिन्न रूपों में रूप प्रतिरूप हो रहा है। पूरे अस्तित्व को एक जानने की अनुभूति ऋग्वेद के रचनाकाल में प्रकट हुई। उपनिषदों में व्यापक हुई। ब्रह्मसूत्रों में सिद्धांत बनी। बादरायण ने व्यवस्था दी। शंकराचार्य ने अद्वैत दर्शन का अभियान बनाया। रूप, लिंग, कुल, वंश, विश्वास, पंथ के आधार पर विभक्त समाज को अविभक्त देखने की दृष्टि अद्वैत कही गई। यह दर्शन निर्विकल्प है। शंकर के अद्वैत का मूल अर्थ है इस अस्तित्व का प्रत्येक रूप और अंश उस एक ब्रह्म का ही रूप है। बृहदारण्यक उपनिषद में बहुत खूबसूरत ढंग से पूर्ण का अर्थ समझाया गया है। ऋषि कहते हैं, ''यह पूर्ण है। वह पूर्ण है। यह पूर्ण उस पूर्ण का विकास है। पूर्ण में पूर्ण घटाओ तो पूर्ण ही बचता है। पूर्ण से पूर्ण का गुणा करने पर भी पूर्ण पूर्ण ही रहता है।'' बहुत आश्चर्यजनक है यह पूर्ण। इसी पूर्ण के बोध में आनंद ही आनंद है। आचार्य शंकर के शब्दों में कहें तो उपनिषदों का आनंद सत् चित् आनंद है। यही सच्चिदानंद है। आनंद का अपना आनंद है। तैत्तिरीय उपनिषद के ऋषि ने आनंद की मीमांसा की है और बताया है कि मनुष्य की तरुणाई, श्रेष्ठ आचरण, शील और बल संवृद्धि और धरती पर अधिकार यहां आनंद देता है। यहां आनंद के सारे स्रोत भौतिक हैं। ऋषि आगे जोड़ते हैं, ''लेकिन इच्छारहित ज्ञानी को यह आनंद स्वाभाविक रूप से प्राप्त है।'' फिर कहते हैं, ''इस आनंद का 100 गुना आनंद गंधर्व आनंद है। गंधर्व आनंद संस्कृति का पर्यायवाची है। संस्कृति से जुड़े लोग साधारण मनुष्य की तुलना में 100 गुना आनंद पाते हैं।'' लेकिन यह आनंद भी इच्छाशून्य ज्ञानी को स्वाभाविक रूप से प्राप्त है। आनंद के अनेक तल हैं। फिर पूर्वजों और पितरों के स्मरण को आनंदपूर्ण बताया गया है। यह भी अभिलाषाशून्य ज्ञानी को सहज प्राप्त है। आनंद अभीप्सु है। आनंद सब की प्यास है। कठोपनिषद के ऋषि ने ठीक कहा है कि यह आत्मतत्व प्रवचन से नहीं मिलता और बुद्धि से भी नहीं। शंकराचार्य इसी ज्ञान को भारत के कोने-कोने तक पहुंचाने में संलग्न थे। उन्होंने अपने शिष्यों के साथ देश के प्रसिद्ध तीर्थों का दर्शन किया। तीर्थ केन्द्रों पर भी वेदांत विषय पर उन्होंने आमजनों का प्रबोधन किया और कड़ाई के साथ वैदिक परंपरा के विरोधियों की बातों का खंडन किया। उनके दिग्विजय अभियान में दक्षिण में सेतुबंध पहला पड़ाव था। मार्ग में उन्हें अनेक संतों विद्वानों से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने विद्वानों के प्रश्नों के उत्तर दिए। शंकर ने रामेश्वरम में पूजा की। फिर वह पांड्य और चोल क्षेत्रों की ओर बढ़े। जगह-जगह पर शास्त्रार्थ होते थे और वह सदाचरण व वेदांत को श्रेष्ठ बताते रहे। हस्तगिरि पर्वत पर अवस्थित कांचीनगर में आचार्य ने देवी के मंदिर की स्थापना की। फिर वे विदर्भ पहुंचे। राजा ने उनका स्वागत किया। वहां भैरवमातावनुयायियों की संख्या ज्यादा थी। आचार्य ने उन सबके बीच भी वेदांत दर्शन का विचार रखा। कर्नाटक प्रवास में आचार्य का सामना कापालिक मतानुयायियों से हुआ। इस मत का मुखिया आचार्य का विरोधी था। 'आदि शंकराचार्य जीवन और दर्शन' नामक पुस्तक में जयराम मिश्र ने लिखा है, ''कापालिकों की पराजय हुई। आचार्य शंकर ने स्वयं भी महाकापाली भैरव की स्तुति की। फिर आचार्य पश्चिमी समुद्र के प्रसिद्ध तीर्थ गोकरना पहुंचे। शंकर और नीलकंठ का शास्त्रार्थ हुआ।'' नीलकंठ और आचार्य के मध्य हुआ प्रश्नोत्तर दर्शन की अमूल्य निधि है। अंततः नीलकंठ ने आचार्य का शिष्यत्व स्वीकार कर लिया। आचार्य शंकर ने शिष्यों के साथ सौराष्ट्र क्षेत्र का भी भ्रमण किया। अनेक स्थानों पर उन्होंने अद्वैत का प्रचार किया। विद्वानों ने उनकी प्रशंसा की। उन्होंने प्रसिद्ध नगरी द्वारिका में प्रवेश किया। यह वैष्णवों का गढ़ था। शंकर के तर्क स्वीकार्य योग्य माने गए। उन्होंने उज्जैनी की यात्रा में भी संवाद बनाया। वे शिष्यों को लेकर महाकाल मंदिर में पूजा अर्चना के लिए भी गए। भट्ट भास्कर उस क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वान थे। उन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की थी। शास्त्रार्थ के दौरान भट्ट भास्कर ने शंकर से सहमति व्यक्त की। परम पूर्ण तत्व को अलग-अलग विभाजित देखना भ्रम है और एकात्म देखना सत्य है। आचार्य का जैन मतावलंबियों से भी शास्त्रार्थ हुआ और उन्होंने उनको भी अद्वैत से सहमत कराया। बौद्ध मतावलंबियों का प्रभुत्व अभी कम नहीं था। अनेक बौद्ध विद्वानों ने वैदिक धर्म स्वीकार कर लिया। वह जगन्नाथ पुरी भी गए। मगध मार्ग से जाते मगधपुर, यमस्तपुर आदि अनेक नगरों में बौद्धों का बहुमत रहा है। मगध में अनेक मत प्रचलित थे। उस समय कुबेर के उपासक, इन्द्र के उपासक और यम उपासक आदि अनेक मत थे। वह सब अपने को वेद का अनुयायी मानते थे। शंकराचार्य की अद्भुत प्रतिभा ने उनके अंधविश्वास दूर कर दिए। आचार्य शंकर ने सनातन धर्म के सभी संप्रदायों का वैदिक दृष्टि से शुद्धिकरण किया। हिन्दू धर्म की कथित विभाजित प्रवृत्तियों को समन्वित रूप दिया। एक नया इतिहास गढ़ा। वे प्रयाग भी गए और वाराणसी भी। आचार्य शंकर प्रयाग से वाराणसी तक सात दिन में पहुंचे थे। काशी में उन्होंने महादेव विश्वनाथ के दर्शन किए। पूजा की। पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण आचार्य शंकर की धूम थी। वह उत्तर प्रदेश के नैमिषारण्य तीर्थ भी गए। यह प्राचीन काल से ही प्रतिष्ठित स्थान है। यह एक समय वैदिक संस्कृति का महत्वपूर्ण केन्द्र था। यहां कर्मकाण्ड की प्रधानता थी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

शुभमन की कप्तानी में टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

लंदन। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंच गयी है। ये सीरीज 20 जून से शुरु होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के लंदन पहुंचने का वीडियो भी जारी किया है। बीसीसीआई ने इसमें लिखा, टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लंदन पहुंच गई है। इस वीडियो में भारतीय खिलाड़ी काफी तरोताजा नजर आ रहे हैं। टीम इस लंबे दौरे के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रही है। इस दौरे के लिए भारतीय टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी इस टीम में हैं। वहीं इंग्लैंड

रवाना होने से पहले शुभमन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के बिना खेलने की चुनौतियों पर भी बात की थी। वहीं टीम पर दबाव को लेकर शुभमन ने कहा था, मुझे लगता है कि हर बार जब आप मैच खेलते हैं या दौरा शुरू करते हैं, तो दबाव होता है। ऐसे में हर सीरीज से पहले दबाव होता है, लेकिन यहां कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होगा।उन्होंने साथ ही कहा, रोहित और विराट बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनकी जगह भरना बहुत मुश्किल है, बतौर टीम हमारे पास बहुत अनुभव है। हमने बहुत सारे मैच खेले हैं। साथ ही कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी दबाव में भी खेलना जानते हैं। साथ ही कहा कि हमारी टीम में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का समन्वय बहुत अच्छा है। वहीं बल्लेबाजी क्रम को लेकर शुभमन ने कहा कि अभी तक तय नहीं किया है कि वह किस नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने पिछले दौरों में ओपनिंग के अलावा नंबर-3 पर भी बल्लेबाजी की है पर रोहित के न होने के कारण वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु भी कर सकते हैं। शुभमन ने उस पल को भी याद किया, जब उन्हें पहली बार टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने की खबर मिली थी। उन्होंने कहा, जब पता चला कि मुझे इस तरह का अवसर मिलेगा, तो मैं बहुत उत्साहित था। यह अनुभव काफी उत्साहजनक था पर साथ ही मुझे लगता है कि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही कहा कि हमने अभी तक बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोई फैसला नहीं किया है, बहरहाल टीम इस दौरे में अच्छे प्रदर्शन के लिए पूरी तरह से तैयार है।

केएल राहुल ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ लगाया शतक, जुरेल का लगातार तीसरा अर्धशतक

लंदन। लंबे समय बाद लाल गेंद से क्रिकेट में लौटे केएल राहुल ने शानदार शतक लगाते हुए अपने फॉर्म का दमदार बयान दिया। इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को राहुल ने 116 रनों की लाजवाब पारी खेली, जिससे इंडिया ए ने 319/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बारिश से प्रभावित दिन में राहुल और ध्रुव जुरेल की शतकीय साझेदारी टीम के लिए बड़ी ताकत बनी।

राहुल ने दिखाया क्लास, नहीं थे शुरुआती टीम में- केएल राहुल को शुरू में इस मुकाबले के लिए चुना नहीं गया था, लेकिन आईपीएल खत्म होने के बाद उन्होंने खुद को उपलब्ध कराया और पहले ही दिन शतक जड़कर चयनकर्ताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने करुण नायर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी की और फिर जुरेल के साथ मिलकर टीम को संकट से उबारा।

वोक्स ने तोड़ी शुरुआती कमर- इंग्लैंड लॉयंस के लिए

अनुभवी तेज गेंदबाज़ क्रिस वोक्स ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 3 विकेट झटके। उन्होंने यशस्वी जायसवाल (17) और अभिमन्यु ईश्वरन को जल्दी पवेलियन भेजकर भारत की शुरुआत बिगाड़ दी। लेकिन इसके बाद राहुल और करुण नायर (40 रन) ने पारी को संभाला।

जुरेल फिर चमके, लगातार तीसरी फिफ्टी- ध्रुव जुरेल ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले अनौपचारिक टेस्ट में 94 और नाबाद 53 रन बनाने वाले जुरेल ने यहां 52 रनों की अहम पारी खेली। राहुल के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने इंडिया ए को मजबूत स्थिति में ला दिया।

अंत में हिल ने दिलाई इंग्लैंड को वापसी- दिन के आखिरी सत्र में जॉर्ज हिल ने दोनों सेट बल्लेबाजों — राहुल और जुरेल — को नौ गेंदों के अंदर पवेलियन भेजा जिससे इंग्लैंड लॉयंस ने थोड़ी वापसी की। इसके बाद नितीश रेड्डी और शार्दुल ठाकुर ने दिन का खेल खत्म होने तक संयम से बल्लेबाज़ी की, हालांकि बारिश की रुक-रुक कर बाधा बनी रही।

संक्षिप्त स्कोरः इंडिया ए 319/7 (केएल राहुल 116, ध्रुव जुरेल 52; क्रिस वोक्स 3/50) बनाम इंग्लैंड लॉयंस

आरसीबी की जीत के जश्न में हुए हादसे की आंच विराट तक पहुंची, पुलिस में शिकायत दर्ज

बेंगलुरु। यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान 11 लोगों की मौत के मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) प्रबंधन के बाद अब टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की गयी है। इस मामले को आपराधिक लापरवाही कहा जा रहा है क्योंकि आरसीबी की जीत का जश्न अचानक ही मनाया गया और उसके लिए जरुरी इंतजाम नहीं किये गये। पुलिस ने इस कार्यक्रम के लिए सुरक्षा देने में असमर्थता जतायी थी पर इसके बाद भी उसपर दबाव बनाया गया। 18 साल बाद टीम की जीत के बाद बेंगलुरु की सड़कों पर जश्न का माहौल था। अगले दिन जैसे ही पूरी टीम ट्रॉफी के साथ शहर लौटी, स्टेडियम और विधानसभा के पास हजारों की भीड़ जमा हो गई। लोगों की संख्या इतनी अधिक थी कि पुलिस नियंत्रण नहीं बना पायी। इस घटना के लिए कर्नाटक सरकार ने आरसीबी प्रबंधन, कर्नाटक क्रिकेट संघ (केएससीए) और इवेंट आयोजित करने वाली डीएनए कंपनी को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसाले, उनके साथी सुमंत, डीएनए कंपनी के मैनेजर किरण और उनके सहयोगी मैथ्यू। इन चारों को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं बेंगलुरु के एक स्थानीय नागरिक

वेंकटेश ने विराट के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उनका आरोप है कि कोहली न केवल टीम का चेहरा हैं, बल्कि इस इवेंट के प्रमोशन से भी जुड़े थे, इसलिए उन पर भी जिम्मेदारी बनती है। शिकायत कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत की जांच कर इसे पहले से दर्ज केस में जोड़ा जा सकता है। क्रिकेटर विराट कोहली के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एच.एम. वेंकटेश ने दर्ज कराई है।

गुकेश मुझे 2008-09 के अपने दौर की याद दिलाते हैं : मैग्नस कार्लसन

नई दिल्ली। नॉर्वे चेस 2025 का खिताब जीतने के बाद शतरंज के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश की जमकर तारीफ की है। कार्लसन ने कहा कि गुकेश की मौजूदा शैली उन्हें खुद की शुरुआती शतरंज यात्रा, खासकर 2008-09 के दौर की याद दिलाती है। कार्लसन ने कहा, "गुकेश का खेल मुझे उस समय की याद दिलाता है जब मैं शतरंज में उभर रहा था। मैं भी तब कई बार नियंत्रण खो देता था लेकिन परिणाम निकाल लेता था। वर्ष 2008 के लीनारेस टूर्नामेंट में भी ऐसा ही हुआ था जब आनंद पहले स्थान पर आराम से चल रहे थे और मैं काफी अराजक तरीके से खेलते हुए कुछ ऐसे नतीजे निकाल रहा था जो शायद मेरे शुद्ध कौशल से मेल नहीं खाते थे।" कार्लसन ने

माना कि युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी भी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, "गुकेश और अर्जुन (एरिगैसी) जैसे खिलाड़ी खेल के कई हिस्सों में अभी भी मेरे, फबियानो (कारुआना) और हिकारू (नाकामुरा) जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से पीछे हैं, लेकिन यह स्वाभाविक है, क्योंकि हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और उनसे हर पहलू में बराबरी की उम्मीद करना जल्दबाज़ी होगी।"

नॉर्वे चेस में गुकेश ने दिखाया दम- इस टूर्नामेंट में डी. गुकेश ने पहली बार क्लासिकल फॉर्मेट में मैग्नस कार्लसन को हराकर इतिहास रच दिया था और आखिरी राउंड तक खिताब की दौड़ में बने हुए थे। हालांकि अंतिम राउंड में फबियानो कारुआना से हार के बाद वह तीसरे स्थान पर रहे। कार्लसन ने गुकेश के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, "यह बहुत प्रेरणादायक है कि गुकेश इतने खराब पोजिशन में भी मुकाबले में बने रहते हैं और खिताब के लिए चुनौती पेश करते हैं। यह उसी प्रक्रिया का हिस्सा है जिससे हर युवा खिलाड़ी गुजरता है।"

युवा खिलाड़ियों का भविष्य उज्ज्वल- कार्लसन का मानना है कि डी. गुकेश और अर्जुन जैसे युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में विश्व चैंपियन बनने की क्षमता रखते हैं, बशर्ते वे खेल के हर पहलू में लगातार सुधार करें।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से वापसी कर सकते हैं आर्चर

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इसी माह 20 जून से भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से वापसी कर सकते हैं। अंगूठे में हुए फ्रेक्चर के कारण टीम से बाहर चल रहे आर्चर को जल्द ही इससे उबरने की उम्मीद है। आर्चर ने अपना अंतिम टेस्ट चार साल पहले खेला था। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा है कि आर्चर दो से छह जुलाई तक एजबस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट से वापसी कर सकते हैं। आर्चर ने बार-बार चोटिल होने के कारण ही साल 2021 से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला। इसी कारण हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के लिए उन्हें शामिल नहीं किया गया। हाल ही में आईपीएल के दौरान उनके अंगूठे में फ्रेक्चर हो गया था जिससे वह उबरने का प्रयास कर रहे हैं। राइट

ने कहा, 'आर्चर काफी अच्छी तरह से अपनी चोट से उबर रहे हैं पर उनके लिए अच्छा ये है कि वह कुछ प्रथम श्रेणी मैच खेलकर लय हासिल करें। ससेक्स की दूसरी टीम का हिस्सा बनें और डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए खेलें। सब कुछ ठीक रहा तो वह दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकेंगे।' अंगूठे की चोट के कारण ही वह 29 मई से तीन जून के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहे थे। आर्चर और तेज गेंदबाज मार्क वुड के नहीं होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है।

व्यापार

भारत ने 11 वर्षों में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकाला: विश्व बैंक

नई दिल्ली। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अत्यधिक गरीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भारत में 11 साल में 269 मिलियन (करीब 27 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी की दर 27.1 फीसदी थी, जो 2022-23 तक घटकर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इसी अवधि में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई। इसका मतलब है कि इस दौरान करीब 269 मिलियन (26.9 करोड़) भारतीय को अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकला गया है।

इन पांच राज्यों की गरीबी कम करने में निर्णायक भूमिका- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश- इन पांच राज्यों में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब रहते थे। अब इन्हीं पांच राज्यों ने 2022-23 तक गरीबी उन्मूलन में दो-तिहाई से अधिक योगदान दिया है।

शहरों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से 1.1 फीसदी पर आई- रपिोर्ट के मुताबिक विश्व बैंक ने गरीबी का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों पर) के आधार पर की है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी में तेज गिरावट को दर्शाता है। इसी अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से घटकर 1.1 फीसदी पर आ गई है। वहीं, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की पिछली गरीबी रेखा (2017 की कीमतों पर) के आधार पर देखा जाए तो भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011-12 में 16.2 फीसदी से घटकर 2022 में सिर्फ 2.3 फीसदी रह गई है। इस सीमा से नीचे रहने वाले भारतीयों की संख्या 2011 के 205.93 मिलियन (20.59 करोड़) से घटकर 2022 में 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र ने इंफ्रास्ट्रक्चर, समावेशन और पारदर्शिता पर ध्यान देते हुए कई योजनाएं शुरू कीं जिनका सीधा लाभ गरीबों को मिला। इन पहलों से हाउसिंग, क्लीन कुकिंग फ्यूल, बैंकिंग सर्विसेज और हेल्थकेयर तक लोगों की पहुंच में विस्तार हुआ है। इसके अलावा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल सर्विसेज और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सभी प्रयासों से 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं। यह उपलब्धि भारत को गरीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

सीसीपीए का ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को 3 महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने का परामर्श जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को डार्क पैटर्न का पता लगाने और उसका समाधान सुनिश्चित करने के लिए 3 महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने का परामर्श जारी किया है। सीसीपीए ने कुछ मामलों में ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म को नोटिस भी जारी किए हैं, जो डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते पाए गए हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को सलाह दी गई है कि वे एडवाइजरी जारी होने के 3 महीने के भीतर डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए स्व-ऑडिट करें। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं कि उनके प्लेटफॉर्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त हों।

मंत्रालय के मुताबिक सेल्फ-ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को यह भी स्व-घोषणा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है कि उनका प्लेटफॉर्म किसी भी डार्क पैटर्न में लिप्त नहीं है। प्लेटफॉर्म द्वारा स्व-घोषणा से उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के बीच विश्वास का निर्माण होने के साथ-साथ निष्पक्ष डिजिटल इकोसिस्टम सक्षम होगा। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2023 का अनुपालन करने की सलाह दी गई है। भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया है, जिसमें संबंधित मंत्रालयों, नियामकों, स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों और NLU के प्रतिनिधि शामिल हैं। जेडब्ल्यूजी का कार्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न के उल्लंघन की पहचान करने के लिए जाँच करना और उपाय करना तथा नियमित अंतराल पर उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ जानकारी साझा करना है। यह उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उचित जागरूकता कार्यक्रम भी सुझाएगा। उल्लेखनीय है कि डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने और ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं में अनुचित प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरकार की व्यापक रणनीति और चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में भारत सरकार के उपभोक्ता मामले के विभाग ने 2023 में डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित कर 13 डार्क पैटर्न निर्दिष्ट किए थे। डार्क पैटर्न की पहचान करने और उसको खत्म करने के लिए जेडब्ल्यूजी का गठन किया गया है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी रही

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 50 बेसिस अंकों और सीआरआर में 100 बेसिस अंकों की कटौती की वजह से लगातार दो सप्ताह से चली आ रही गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 6 जून को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी देखी गई। शेयर बाजार सप्ताह में पहले और दूसरे दिन गिरावट लेकिन बाकी तीन दिन बढ़त के साथ कारोबार देखा गया। शेयर बाजार में सप्ताह के पांच दिन कारोबार इस प्रकार रहा- एशियाई बाजारों से मिलेजुले रूखे के बीच भारतीय शेयर बाजार जून महीने के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बड़ी गिरावट लेकर लाल निशान में खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 81,214 पर खुला और 77.26 अंक गिरकर 81,373.75 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल

स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,669.70 अंक पर खुला और 34.10 अंक गिरकर 24,716.60 पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 194.65 अंक गिरकर 81,179.10 पर खुला और 636.24 अंक की गिरावट के साथ 80,737.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.35 अंक गिरकर 24,654.25 पर खुला और 174.10 अंक गिरकर 24,542.50 पर बंद हुआ। दो दिन की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 192.73 अंक के साथ 80,930.24 पर खुला और 260.74 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़कर 80,998.25 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 174.10 अंक गिरकर 24,542.50 पर खुला और 77.70 अंक बढ़कर 24,620.20 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 197.83 अंक चढ़कर 81,196.08 पर खुला और 443.79 अंक चढ़कर 81,442.04 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 71 अंक चढ़कर 24,691.20 पर खुला और 130.70 अंक बढ़कर 24,750.90 पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर एमपीसी के फैसलों के एलान के बाद घरेलू शेयर बाजार में खरीदारी लौटी। सेंसेक्स 755.89 (0.92 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 82,197.93 पर खुला और 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत चढ़कर 82,188.99 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक में भी मजबूत खरीदारी दिखी और यह 849.55 (1.52 फीसदी) अंक मजबूत होकर 56,610.40 के स्तर पर खुला और 817.55 (1.47 फीसदी) अंक चढ़कर 56,578.40 के स्तर पर बंद हुआ।

मुकेश अंबानी ने आईसीटी को दान में दिए 151 करोड़ रुपये, यहीं से किया है स्नातक

नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने मुंबई स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) को बिना शर्त 151 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। 1970 के दशक में उन्होंने यहीं से स्नातक की उपाधि हासिल की थी। मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को आईसीटी में तीन घंटे से ज्यादा समय बिताया। वे प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी 'डिवाइन साइंटिस्ट' के प्रकाशन के लिए आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए वहां गए थे। विमोचन समारोह में उन्होंने कहा कि प्रोफेसर शर्मा और जेबी जोशी उनके प्राध्यापक रहे। उन्होंने कहा कि अन्य संस्कृतियों में गुरु केवल शिक्षक होता है लेकिन भारतीय संस्कृति में 'गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश्वर हैं'...।'

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि किस प्रकार यूडीसीटी में प्रोफेसर शर्मा द्वारा दिए गए व्याख्यान ने उन्हें प्रेरित किया तथा किस प्रकार प्रोफेसर शर्मा ने बाद में भारत के आर्थिक सुधारों के एक शांत वास्तुकार की भूमिका निभाई। उस समय इसे यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (यूडीसीटी) के नाम से जाना जाता था।

पंजाब नेशनल बैंक ने ब्याज दर 0.50 फीसदी घटाया, नई दरें 9 जून से प्रभावी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने ब्याज दरों में 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी तक की कटौती करने का ऐलान किया है। बैंक के इस कदम से मौजूदा और नए उधारकर्ताओं को मदद मिलेगी। नई दरें 9 जून, 2025 से प्रभावी होंगी। पंजाब नेशनल बैंक ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, "पंजाब नेशनल बैंक ने ग्राहकों की ईएमआई को और अधिक किफायती बना दिया है। आरबीआई के रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती (6.00 फीसदी से 5.50 फीसदी) के बाद पीएनबी ने अपने आरएलएलआर को 50 बीपीएस यानी 0.50 फीसदी तक कम कर दिया है, जो 9 जून, 2025 से प्रभावी होगा।" पीएनबी के बेंचमार्क रेपो-लिंक्ड बेंचमार्क लेंडिंग रेट्स (आरबीएलआर) में कटौती के साथ बैंक का होम लोन 7.45 फीसदी से शुरू होगा, जबकि वाहन लोन 7.8 फीसदी प्रति वर्ष से शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में अपेक्षा से अधिक 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी की कटौती की है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और बैंकों को उधार देने के लिए अधिक धन उपलब्ध कराने के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को कम कर दिया है। ऐसे में लोगों को पीएनबी के अलावा अन्य बैंकों से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा की उम्मीद है।

अल्लू अर्जुन के साथ पहली बार नजर आएंगी दीपिका

दीपिका पादुकोण पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। खासकर तब से, जब उन्होंने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से दूरी बना ली। इसके बाद से ही दीपिका को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। कहा गया कि उनकी शर्तों से परेशान होकर निर्देशक ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। हालांकि इन विवादों के बीच अब एक नई और बड़ी खबर सामने आई है। दीपिका पादुकोण अब अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हैं। लंबे समय से इस प्रोजेक्ट से उनका नाम जुड़ रहा था और अब आखिरकार आधिकारिक घोषणा भी कर

फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह

दी गई है। इस फिल्म में दीपिका और अल्लू अर्जुन की जोड़ी पहली बार साथ नजर आएगी, जिससे फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है। फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी सन पिक्चर्स और निर्देशक एटली ने आखिरकार दीपिका पादुकोण को अपनी अगली मेगा प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया है। इस बड़े ऐलान के साथ सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसमें दीपिका और एटली एक साथ स्क्रिप्ट पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। इस खबर के सामने आते ही दीपिका के फैंस में जश्न का माहौल है। सोशल मीडिया पर उन्हें बधाइयों का तांता लग गया है और फैंस का कहना है कि यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बनना तय है। खास बात यह है कि इस फिल्म में दीपिका पादुकोण पहली बार अल्लू अर्जुन के साथ रोमांटिक भूमिका में नजर आएंगी, जिससे इस नई जोड़ी को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्सुकता देखने को मिल रही है।

सोनाक्षी सिन्हा ने दिया जहीर इकबाल को मजेदार चेतावनी

बॉलीवुड अभिनेता जहीर इकबाल इन दिनों अलीबाग में छुट्टियां मना रहे हैं और अपनी सुकून भरी जिंदगी की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। वहीं, उनकी पत्नी और एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने भी सोशल मीडिया के जरिए उन्हें एक मजेदार चेतावनी दी है कि जब वह घर लौटेंगे तो उनसे कई सवाल पूछे जाएंगे। सोनाक्षी की हाजिर जवाबी और मजाकिया अंदाज उनके फैंस के बीच खासा पसंद किया जाता है, और उनके बीच की यह प्यारी नोकझोंक अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती है। जहीर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अलीबाग की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वह समंदर के किनारे आराम करते और चाय की चुस्की लेते नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में वे झूले पर बैठे हुए आराम फरमा रहे हैं, जबकि एक वीडियो में वे कीचड़ भरे रास्ते पर कार ड्राइव करते हुए दिखे। उन्होंने अपने इस पोस्ट को कैप्शन दिया, चाय पानी, साथ ही #अलीबाग का हैशटैग भी लगाया। लेकिन इस पोस्ट में सबसे ज्यादा ध्यान सोनाक्षी सिन्हा के कमेंट ने खींचा। उन्होंने हंसी-मजाक के अंदाज में लिखा, जब तुम घर आओगे, तो मैं तुमसे पूछूंगी - अलीबाग से आया है क्या? जहीर ने इसके जवाब में सिर्फ हंसने वाला इमोजी पोस्ट किया, जो उनके बीच के घुल-मिल रिश्ते को बखूबी दर्शाता है। सोनाक्षी और जहीर की लव स्टोरी भी काफी खास है। दोनों की मुलाकात 2013 में एक पार्टी में हुई थी, लेकिन उनकी दोस्ती 2017 में सलमान खान की फिल्म ट्यूबलाइट की स्क्रीनिंग के दौरान गहरी हुई। सात साल तक उन्होंने अपने रिश्ते को निजी रखा और आखिरकार 23 जून 2024 को मुंबई में अंतर-धार्मिक शादी के बंधन में बंध गए। उनकी शादी एक सादगी भरा समारोह था, जिसमें परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी जल्द ही फिल्म निकिता रॉय में नजर आएंगी। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसका निर्देशन उनके भाई कुश सिन्हा कर रहे हैं। फिल्म में परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहेल नैय्यर भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

यूट्यूब पर रिलीज़ नहीं होगी 'सितारे ज़मीन पर', आमिर खान ने किया साफ़

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार फिर दर्शकों के दिलों को छूने के लिए तैयार हैं, अपनी नई फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' के जरिए। यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई और सुपरहिट रही 'तारे ज़मीन पर' का सीक्वल मानी जा रही है। इस बार कहानी दिव्यांग बच्चों की एक बास्केटबॉल टीम पर आधारित होगी, जिसमें आमिर खान उनके कोच की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म एक प्रेरणादायक सफर दिखाएगी, जहां इन विशेष बच्चों की कड़ी मेहनत, संघर्ष और आत्मविश्वास को उजागर किया जाएगा। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में यह चर्चा थी कि आमिर की यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं बल्कि यूट्यूब पर रिलीज की जा सकती है। अब खुद अमीर खान ने इस पर सफाई दी है। कहा जा रहा था कि आमिर ने फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' को सिनेमाघरों में नहीं बल्कि यूट्यूब पर रिलीज़ करने का फैसला किया है। अब आमिर ने इस पर सीधा जवाब दिया है। आमिर ने फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' के मौके पर पत्रकारों से बातचीत की। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "चर्चा चल रही है कि फिल्म यूट्यूब पर रिलीज़ होगी। मैंने कई जगह पढ़ा है कि 'सितारे ज़मीन पर' सिनेमाघरों में रिलीज़ नहीं होगी बल्कि सीधे यूट्यूब पर रिलीज़ होगी लेकिन, ये सब अफ़वाहें हैं। मेरी फिल्म सिर्फ़ सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। मैं अपनी फ़िल्में आख़िर तक सिर्फ़ सिनेमाघरों में ही रिलीज़ करूंगा।" 'सितारे ज़मीन पर' में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख मुख्य भूमिका में नज़र आएंगे। संगीत शंकर-एहसान-लॉय द्वारा निर्देशित है और गीत अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखे गए हैं। फ़िल्म का निर्माण आमिर खान, अपर्णा पुरोहित और रवि भागचंदका ने किया है। फ़िल्म 20 जून को रिलीज़ होने वाली है।

भारतीय पॉप कल्चर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने में कामयाब रहीं नोरा

एक बार फिर ग्लोबल आइकन नोरा फतेही भारतीय पॉप कल्चर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने में कामयाब रहीं। नोरा वायरल हो रहे एक वीडियो में अमेरिकी ग्रैमी अवॉर्ड विजेता और पॉप स्टार सियारा को अपना सुपरहिट गाना साकी साकी का आइकोनिक हुकस्टेप सिखाती नजर आ रही हैं। यह वीडियो इंटरनेट पर आते ही छा गया और भारतीय एवं पश्चिमी पॉप कल्चर के मेल का प्रतीक बन गया। नोरा फतेही ने यह वीडियो खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा करते हुए लिखा, "तो मैंने अपनी गर्ल सियारा को आइकॉनिक साकी साकी हुकस्टेप करते हुए पाया... यह पागलपन है। वह बहुत मस्त और खूबसूरत इंसान है! आपके साथ फिर से जाम करने का इंतज़ार नहीं कर सकती। दोस्तों, क्या हमें साथ में एक गाना करना चाहिए? डांसविथनोरा।" इस कैप्शन के बाद फैंस के बीच दोनों के म्यूजिक कोलैबोरेशन की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। यह खास पल तब सामने आया जब नोरा हाल ही में अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड्स (अमास) में रेड कार्पेट पर अपने कस्टम टॉम फोर्ड लुक के लिए चर्चाओं में थीं। नोरा पहले भी इंटरनेशनल कलाकार जेसन डेरुलो के साथ हिट सॉन्ग स्नेक में नजर आ चुकी हैं, जिसे 130 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। साकी साकी की बात करें तो यह गाना जब साल 2019 में रिलीज़ हुआ था, तभी से अपनी दमदार कोरियोग्राफी और नोरा की बोल्ड परफॉर्मेंस के चलते यह ट्रेंडिंग नंबर बन गया था।
नोरा का हुकस्टेप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इतना लोकप्रिय हुआ कि हजारों लोगों ने #डांसविथनोरा के तहत इसे रीक्रिएट किया। अब यह गाना 1 बिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर चुका है। हाल ही में वह सीरीज़ द रॉयल्स में नज़र आईं और अब वे साउथ इंडियन फिल्म कंचना 4 में लीड रोल में दिखाई देंगी। बता दें कि नोरा फतेही न सिर्फ एक शानदार डांसर हैं, बल्कि अभिनय के क्षेत्र में भी अपनी जगह बना रही हैं।

धूम 4 में मुख्य भूमिका में होंगे रणबीर कपूर

यशराज फिल्म्स 'धूम 4' की तैयारी में जुट गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार फिल्म का मुख्य किरदार यानी विलेन कोई और नहीं बल्कि रणबीर कपूर होंगे। रणबीर को ध्यान में रखते हुए फिल्म की स्क्रिप्ट लिखी जा रही है।

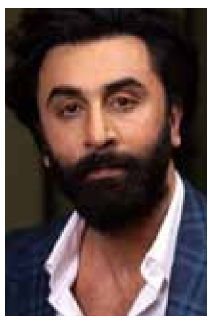

निर्माता आदित्य चोपड़ा लेखक श्रीधर राघवन के साथ मिलकर स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। रणबीर की पर्सनालिटी, स्टाइल और स्टारडम को देखते हुए उनके किरदार को खासतौर पर डिजाइन किया गया है, जो 'धूम' के पिछले किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। बताया जा रहा है कि 'धूम 4' को एक ग्लोबल एक्शन फिल्म के तौर पर डिजाइन किया जा रहा है। फिल्म की स्टोरीलाइन, एक्शन सीक्वेंस और विजुअल प्रेजेंटेशन को वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स से बिल्कुल अलग रखा जाएगा ताकि यह फिल्म एक अलग पहचान बना सके। इसके प्री-प्रोडक्शन का काम 'वॉर 2' की रिलीज के बाद शुरू किया जाएगा और डायरेक्शन की जिम्मेदारी अयान मुखर्जी को सौंपी जाएगी। फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2026 से शुरू होने की योजना है और 2027 में इसे थिएटर में रिलीज किए जाने की संभावना है। रणबीर कपूर के अलावा फिल्म में कुछ नए चेहरे भी नजर आ सकते हैं, जो इस एक्शन थ्रिलर में नई ऊर्जा और ताजगी लाएंगे।

'सलमान का घर पहले कभी बंद नहीं होता था'

हाल ही में नवोदित एक्टर सूरज पंचोली ने सलमान खान को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं, जिन्होंने उनके दरियादिली भरे स्वभाव की झलक दिखाई। सूरज ने कहा कि सलमान खान का घर पहले कभी बंद नहीं होता था। उनका कहना था कि भले ही दरवाजे में लॉक हो, लेकिन उसका कभी इस्तेमाल नहीं होता था। कोई भी उनके घर आकर फ्रिज खोल सकता था, खाना निकाल सकता था, यहां तक कि सलमान के प्रोटीन शेक और विटामिन्स भी बिना पूछे ले सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि सलमान कभी किसी को इन चीजों के लिए मना नहीं करते थे। सूरज के अनुसार, सलमान का घर एक ऐसा स्थान था जहां कोई भी आकर बिना किसी हिचकिचाहट के रह सकता था। उन्होंने यह भी बताया कि जब सलमान किसी को अपने घर में देख लेते तो बस इतना पूछते कि "खाना खाया?" और फिर अपने काम में लग जाते। उन्होंने कभी भी किसी को आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं होने दिया। मालूम हो कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपने बड़े दिल और मददगार स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में कई नए चेहरों को मौका दिया है, जिनमें सूरज पंचोली का नाम भी शामिल है। सूरज ने फिल्म हीरो से डेब्यू किया था, जिसे सलमान ने प्रोड्यूस किया था।

'हाउसफुल 5' की पहले दिन शानदार कमाई

बड़े बजट की फिल्म 'हाउसफुल 5' पिछले कई दिनों से बॉलीवुड में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह 6 जून को रिलीज हुई थी। भारी भरकम कास्ट वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग की है। दरअसल, फिल्में फ्लॉप होने की वजह से अक्षय कुमार के लिए पिछले कुछ साल अच्छे नहीं रहे हैं लेकिन साल 2025 उनके लिए उम्मीद जगा रही है। 'केसरी चैप्टर 2' को दर्शकों ने खूब पसंद किया और अब 'हाउसफुल 5' भी रिलीज हो गई है। फिल्म 'हाउसफुल 5' ने पहले दिन ही अच्छी कमाई कर ली है। इस फिल्म की पहले दिन की कमाई अक्षय की 'केसरी चैप्टर 2' से भी ज्यादा है। बॉक्स ऑफिस रिपोर्टफिल्म 'हाउसफुल 5' को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म ने पहले दिन ही 'हाउसफुल 4' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है जिसने रिलीज के दिन 19 करोड़ की कमाई की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म 'हाउसफुल 5'

ने पहले दिन 24.35 करोड़ का कलेक्शन किया है। शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म के लिए यह अच्छी शुरुआत है। पहले दिन की कमाई को देखते हुए शनिवार और रविवार को इसमें बढ़ोतरी की संभावना है। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कई अच्छे कलाकार हैं। हालांकि फिल्म समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है, लेकिन दर्शक इसे मजेदार फिल्म बता रहे हैं। कॉमेडी-थ्रिलर यह फिल्म कुल मिलाकर दर्शकों को पसंद आ रही है। 'हाउसफुल 5' के कलाकारफिल्म में अक्षय कुमार के साथ अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, रंजीत, जैकलीन फर्नांडीज, चंकी पांडे, डिनो मोरिया और सौंदर्या शर्मा ने अलग-अलग भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म दो संस्करणों ए और बी में रिलीज हुई है।

Global digital archive to deal with disasters beneficial for the whole world: Prime Minister

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi on Saturday stressed the need for resilience in disaster management and development, saying that a global digital archive of learnings and best practices to recover from disasters would be beneficial for the whole world. He called for building such infrastructure that stands firm against time and tide. The Prime Minister addressed the International Conference on Disaster Resilient Infrastructure (ICDRI) 2025 held in France through a video message on the second and final day. In his address, the Prime Minister urged global efforts to build a strong and disaster-resistant future for the world. He said that global cooperation and partnership is needed to reduce the effects of disasters and ensure development. To build a disaster-resistant future, we have to work together to reduce the effects of disasters and ensure development. The global digital archive can play an important role in dealing with disasters and promoting resilience in development. Referring to the theme of the conference 'Shaping a Resilient Future for Coastal Regions', he said that coastal areas and islands are very vulnerable to natural disasters and climate change. Modi gave examples of recent disasters such as Cyclone Ramel in India and Bangladesh, Hurricane Beryl in the Caribbean, Typhoon Yagi in South-East Asia, Hurricane Helene in the United States, Typhoon Usagi in the Philippines and Cyclone Chido in parts of Africa. He stressed that such disasters caused loss of life and property. The Prime Minister recalled the pain of devastating disasters including the 1999 super-cyclone and the 2004 tsunami in India and said that India adapted and rebuilt with resilience in mind. Cyclone shelters were built in vulnerable areas and also helped create tsunami warning systems for 29 countries. The Prime Minister said that the Coalition for Disaster Resilient Infrastructure is working with 25 small island developing states. Disaster resilient homes, hospitals, schools, energy, water security and early warning systems are being built. Modi appreciated the presence of representatives from the Pacific, Indian Ocean and Caribbean regions and welcomed the participation of the African Union in the coalition. The Prime Minister drew attention to key global priorities and outlined 5 key themes. First, the importance of integrating disaster resilience courses, modules and skill development programmes in higher education to build a skilled workforce to tackle future challenges. Second, he emphasized the need for a global digital repository to document best practices and learnings from countries that have faced disasters and rebuilt resiliently. Third, Modi highlighted the need for innovative financing for disaster resilience and called for actionable programmes to ensure developing countries have access to the necessary funds. Fourth, the Prime Minister reaffirmed India's commitment to recognising small island developing States as large ocean countries and stressed the need to pay special attention to their vulnerabilities. Referring to the fifth priority, Modi highlighted the need to strengthen early warning systems and coordination, underlining their crucial role in facilitating timely decision-making and effective last-mile communication.

Five women who returned from India found corona infected, health alert issued in border areas

Kathmandu, Five women who returned from India were found infected with corona on Saturday. Since then, a health alert has been issued in the border area. This is the second consecutive day when symptoms of corona infection have been seen in Nepali citizens who returned from India. On Friday, two people were confirmed to be infected with corona. Since then, corona tests are being conducted on people entering Nepal from India. Five women from Sudur Paschim Province who returned home from India through the Gauriphanta check point in Nepal were found infected with the corona virus. People from India who returned through this check point were found to be suffering from corona virus in the antigen test on Friday. Of the five people, three are from Kailali district and two are from Achham district. Hemraj Joshi, information officer of the Health Emergency Operation Center of Sudur Paschim Province, said that antigen tests were conducted on 30 suspected people who returned from India at the checkpoint. All the corona infected women were advised to stay at home. Earlier, three out of 36 people who returned on Wednesday were found infected with the corona virus. A health desk has been set up at the Emergency Operation Center checkpoint and corona infection is being tested. A health desk has also been set up at the Gadhchauki checkpoint and preparations are on to start antigen tests within a few days.

French Open: Sinner reaches final after defeating Novak Djokovic, will face Alcaraz

Paris, Tennis player Jannik Sinner has made it to his first Grand Slam final by defeating Novak Djokovic in the French Open semi-finals. He will face defending champion Carlos Alcaraz in the final. Alcaraz made it to the final by defeating Lorenzo Musetti in another semi-final. World number 1 player Sinner defeated Djokovic 6-4, 7-5, 7-6 (7/3) on Court Philippe Chatrier to play his first French Open final. 23-year-old Sinner said after the match, "He is the greatest player in the history of our game, it is a great experience to play against him here. There is a little tension before stepping on the court, but I tried not to pay attention to it." Djokovic's three set points went in vain 38-year-old Djokovic showed fighting spirit as usual and fought hard in the match that lasted three hours and 16 minutes, but after losing three set points in the third set, his hopes of comeback were dashed. Now Djokovic will try to win his 25th Grand Slam at Wimbledon next month. Sinner-Alcaraz clash On the other hand, Sinner has not lost a single set in the tournament so far and he would like to take revenge for the five-set defeat he suffered in the semi-finals last year from Alcaraz. Alcaraz has won four consecutive matches against Sinner, including the Italian Open final in May. This will be the first time when two players who were born after 2000 will face each other in a Grand Slam final. The special thing is that both Sinner and Alcaraz have not suffered defeat in any Grand Slam final till date. Final between top seeds in both categories for the first time since 2013 This is the first time since the 2013 US Open that the top two seeded players will face each other in the finals of both men's and women's categories in a Grand Slam. In the women's final, Aryna Sabalenka and Coco Gauff will clash for the 'Coupe Suzanne Lenglen' trophy on Saturday.

Gukesh reminds me of my era of 2008-09: Magnus Carlsen

After winning Norway Chess 2025, the legendary Grandmaster said, "The youth have the strength, but there is still a lot to learn"

New Delhi, After winning the Norway Chess 2025 title, five-time world champion of chess Magnus Carlsen has praised Indian Grandmaster D. Gukesh. Carlsen said that Gukesh's current style reminds him of his own early chess journey, especially the era of 2008-09. Carlsen said, "Gukesh's game reminds me of the time when I was emerging in chess. I too used to lose control many times but would get results. The same thing happened in the Linares tournament of 2008 when Anand was comfortably in first place and I was playing in a very chaotic manner and getting some results that perhaps did not match my pure skill." Carlsen admitted that the young players are moving in the right direction, but they still need to learn a lot. He said, "Players like Gukesh and Arjun (Erigasi) are still behind experienced players like me, Fabiano (Caruana) and Hikaru (Nakamura) in many parts of the game, but this is natural, because we are the best players in the world and it would be hasty to expect them to be at par in every aspect." Gukesh showed his strength in Norway Chess In this tournament, D. Gukesh created history by defeating Magnus Carlsen for the first time in the classical format and remained in the race for the title till the last round. However, after losing to Fabiano Caruana in the last round, he finished third. Praising Gukesh's performance, Carlsen said, "It is very inspiring that Gukesh stays in the competition even in such a bad position and challenges for the title. This is part of the same process that every young player goes through." The future of young players is bright Carlsen believes that young talented players like D. Gukesh and Arjun have the potential to become world champions in the future, provided they constantly improve in every aspect of the game. It is worth noting that Gukesh has recently become the world champion and now he is moving towards establishing himself at the top level in classical chess as well.

India has taken 27 crore people out of extreme poverty line in 11 years: World Bank

New Delhi, According to the latest report of the World Bank, India has achieved remarkable achievement in the direction of eradicating extreme poverty. In India, 269 million (about 27 crore) people have come out of the extreme poverty line in 11 years. According to the latest report of the World Bank, the rate of extreme poverty in the country was 27.1 percent in 2011-12, which has come down to only 5.3 percent by 2022-23. During the same period, 344.47 million (34.4 crore) people were living in extreme poverty in the country, while by 2022-23 this number has come down to 75.24 million (7.5 crore). This means that during this period about 269 million (26.9 crore) Indians have been taken out of the extreme poverty line. These five states have a decisive role in reducing poverty Uttar Pradesh, Maharashtra, Bihar, West Bengal and Madhya Pradesh - 65 percent of the country's extremely poor lived in these five states in 2011-12. Now these five states have contributed more than two-thirds in poverty elimination by 2022-23. Extreme poverty in cities came down from 10.7 percent to 1.1 percent According to the report, the World Bank has assessed poverty on the basis of the international poverty line of $ 3.00 per day (at 2021 prices). This shows a sharp decline in poverty in both rural and urban areas. During the same period, extreme poverty in rural areas has come down from 18.4 percent to 2.8 percent, while extreme poverty in urban areas has come down from 10.7 percent to 1.1 percent. At the same time, based on the previous poverty line of $ 2.15 per day (at 2017 prices), the rate of extreme poverty in India has come down from 16.2 percent in 2011-12 to just 2.3 percent in 2022. The number of Indians living below this limit has come down from 205.93 million (20.59 crores) in 2011 to 33.66 million (3.36 crores) in 2022. Prime Minister Narendra Modi described this achievement as the result of schemes like PM Awas Yojana, PM Ujjwala Yojana, Jan Dhan Yojana and Ayushman Bharat run by the government for the poor. He said that in the last 11 years, the Center has launched many schemes focusing on infrastructure, inclusion and transparency, which directly benefited the poor. These initiatives have expanded people's access to housing, clean cooking fuel, banking services and healthcare. Apart from this, Direct Benefit Transfer (DBT), digital services and rural development related works have also empowered the poor economically. The Prime Minister said that due to all these efforts, more than 25 crore people have been able to come out of poverty. This achievement is a big step towards making India a poverty free nation.

Punjab National Bank cuts interest rate by 0.50 percent, new rates effective from June 9

New Delhi, After the Reserve Bank of India (RBI) cut the policy interest rates repo rate by 0.50 percent, public sector Punjab National Bank (PNB) has announced a cut in interest rates by 50 basis points i.e. 0.50 percent. This move of the bank will help existing and new borrowers. The new rates will be effective from June 9, 2025. Punjab National Bank said in a post released on 'X', "Punjab National Bank has made the EMI of customers more affordable. After the RBI's 0.50 percent cut in the repo rate (from 6.00 percent to 5.50 percent), PNB has reduced its RLLR by 50 bps i.e. 0.50 percent, which will be effective from June 9, 2025." With the reduction in PNB's benchmark repo-linked benchmark lending rates (RBLR), the bank's home loan will start from 7.45 percent, while vehicle loans will start from 7.8 percent per annum. It is noteworthy that a day before this, the Reserve Bank of India (RBI) has cut the policy interest rates repo rate by 50 basis points i.e. 0.50 percent more than expected. Along with this, the central bank has unexpectedly reduced the cash reserve ratio (CRR) to boost the economy and provide more money to banks for lending. In such a situation, people are expecting a similar announcement from other banks apart from PNB soon.

Election Commission called Rahul's allegations baseless, said - an attempt to defame on defeat

New Delhi, The Election Commission has given an official response to the article written in an English newspaper titled 'Match Fixing Maharashtra' by Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi. In the article, Rahul Gandhi had alleged large-scale rigging in the Maharashtra Assembly elections in November 2024. The Election Commission has described it as beyond facts and defamatory. The Election Commission said, "It is completely absurd to try to defame the Election Commission by saying (the match was fixed) after any adverse decision by the voters." Rahul had outlined the alleged electoral irregularities on five points in his article. These included issues like bias in the appointment of the Election Commissioner panel, adding names of fake voters, exaggerating the polling percentage, bogus voting at targeted booths and not providing CCTV records. In response, the Commission said that more than 6.4 crore people voted from 7 am to 6 pm. On an average, 58 lakh votes were cast every hour. 65 lakh votes cast in the last two hours is less than the normal average. The Election Commission clarified that agents appointed by political parties were present at every booth. No one raised any doubts before the Returning Officer the next day. According to the Commission, the process of preparing the voter list is done under the Representation of the People Act 1950 and the Electoral Rules 1960. The final voter list was given to all parties. Only 89 complaints were received against it, none of which were made by the Congress. The Commission said that 97 thousand booth level officers and 1.03 lakh booth agents appointed by all parties were deployed at more than 1 lakh booths. Congress had also appointed more than 27 thousand agents. The Commission said that elections are held transparently under the law and any kind of incorrect information is not only an insult to the law but also lowers the morale of lakhs of people associated with the election process. The Commission said that all these facts were sent to the Congress on 24 December 2024. Despite this, repeatedly making such allegations is completely inappropriate.

Eid-ul-Azha festival celebrated with full enthusiasm in the capital Delhi with the spirit of sacrifice

New Delhi, Eid-ul-Azha festival, a symbol of the spirit of sacrifice, is being celebrated with full devotion and respect in the capital Delhi. In the morning, Namaz-e-Doghana was offered in Eidgahs and mosques and after this, the memory of the incident of Prophet Hazrat Ibrahim sacrificing his son Prophet Hazrat Ismail in the path of Allah was crowned by offering animal sacrifice by Muslims. In Delhi's historic Shahjahani Jama Masjid, Shahi Imam Shaban Bukhari offered Eid al-Azha prayers for the first time after his turbaning. He got this opportunity due to the illness of his father, Bade Shahi Imam Syed Ahmed Bukhari. A large number of Muslims offered Namaz of Eid ul Azha at Jama Masjid and after the Namaz, people hugged each other and congratulated each other. Similarly Imam Dr. Mufti Mukarram Ahmed offered Namaz of Eid al-Azha at Shahi Masjid Fatehpuri. On this occasion, he prayed to Allah for prosperity, peace and tranquility in the country. Muslims also offered Namaz at Idgah situated on Rani Jhansi Road. Apart from this, Namaz of Eid ul Azha was also offered in mosques across Delhi. In view of the festival, swings have been installed for children at various places in Muslim dominated areas, where children were seen having a lot of fun after the Namaz. Crowds of children were also seen around those selling balloons and toys. The process of sacrificing animals by Muslims has been going on since morning and it will continue for the next two days. Special arrangements have been made by the Municipal Corporation of Delhi and local Municipal Councilors to pick up the remains of the sacrificed animals. Special teams have been formed to clean the garbage in the streets and mohallas. Special cleanliness campaigns are being run in Muslim-dominated areas. Regional social organizations are also cooperating in this cleanliness campaign.